MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 18 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-257

एक थी तृणमूल!

नाम और चुनाव चिह्न संकट में

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के संगठनात्मक नियंत्रण और चुनाव चिह्न को लेकर विवाद अब चुनाव आयोग के सामने पहुंच गया है। आयोग के समक्ष तृणमूल कांग्रेस के दो प्रतिद्वंद्वी गुट आमने-सामने हैं। एक गुट का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कर रही हैं, जबकि दूसरे खेमे से रीतब्रत बनर्जी सहित बागी नेता जुड़े हैं। दोनों पक्ष पार्टी और उसके संगठन पर अपना दावा कर रहे हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार आयोग ने उपचुनावों को देखते हुए दोनों पक्षों के दावों और पार्टी के नाम तथा चुनाव चिह्न के इस्तेमाल से जुड़े मामले पर सुनवाई की है।

उपचुनावों के कारण बढ़ी आयोग की चिंता

चुनाव आयोग के समक्ष विवाद का केंद्र तृणमूल कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे, अधिकृत पदाधिकारियों और पार्टी के चुनाव चिह्न पर दोनों पक्षों के दावे हैं। आयोग ने दोनों पक्षों से पार्टी के संगठन और अधिकृत प्रतिनिधियों से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा उपचुनावों को देखते हुए इस मामले पर आयोग का फैसला महत्वपूर्ण हो गया है।

पार्टी के भीतर विवाद कैसे शुरू हुआ?

पार्टी के भीतर बगावत का मामला उस समय चुनाव आयोग तक पहुंचा, जब रीतब्रत बनर्जी ने आयोग के समक्ष अपनी याचिका रखी। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति का कार्यकाल 11 फरवरी 2025 को ही समाप्त हो चुका था। इसके बाद उस कार्यसमिति के पास फैसले लेने का कानूनी अधिकार नहीं बचा था। रीतब्रत बनर्जी के पक्ष का कहना है कि 22 जून 2026 को पार्टी का एक विशेष अधिवेशन बुलाया गया था। इस अधिवेशन में अरूप रॉय को राष्ट्रीय कार्यसमिति का नया अध्यक्ष चुना गया।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले खेमे ने इन दावों को खारिज किया है। ममता गुट के प्रतिनिधियों ने आयोग के सामने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और संबंधित बैठकों की वैधता को लेकर अपना पक्ष रखा है। दोनों पक्षों ने अपने-अपने दावों के समर्थन में दस्तावेज भी आयोग को सौंपे हैं।

ममता गुट ने दावों को बताया असंवैधानिक

ममता बनर्जी के खेमे ने रीतब्रत बनर्जी और अरूप रॉय से जुड़े दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनके द्वारा आयोजित बैठक पार्टी के संविधान के अनुरूप नहीं थी। ममता गुट के कानूनी सलाहकारों और प्रतिनिधियों ने आयोग से कहा कि उक्त बैठक में लिए गए फैसले और नियुक्तियां पार्टी के संविधान के खिलाफ हैं। ममता गुट ने आयोग से बागी नेताओं की ओर से किए गए दावों और भेजे गए पत्रों को स्वीकार नहीं करने की मांग की।

17 सितंबर को दोनों पक्षों को आयोग ने बुलाया

दोनों पक्षों के बीच तीखे दावों को देखते हुए चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को नई दिल्ली में दोनों प्रतिनिधिमंडलों को सुनवाई के लिए बुलाया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार रीतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले खेमे को दोपहर 3 बजे और ममता बनर्जी के प्रतिनिधिमंडल को शाम 4 बजे आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था। दोनों पक्षों ने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे, अधिकृत पदाधिकारियों और चुनाव चिह्न पर अपने-अपने दावे पेश किए। ▶8पर

ओम नमः शिवाय

अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपने बल्ले से तूफान मचा दिया। अभिषेक ने महज 30 गेंदों में अपना शतक पूरा करते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में बनाए गए शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके अलावा उन्होंने पूर्ण सदस्य देशों के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मैदान पर अफगान गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने वाले अभिषेक शर्मा का जश्न बिल्कुल शांत और अलग अंदाज में था। 30वीं गेंद पर एक रन लेकर शतक पूरा करने के बाद अभिषेक ने अपने दस्ताने, हेलमेट और बल्ला मैदान पर रखा और पिच पर ही पद्मासन की मुद्रा में बैठकर ध्यान लगाने जैसा शांत अंदाज अपनाया। उनका यह अनूठा जश्न सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में आ गया। अभिषेक अपनी आंधी जैसी पारी में 34 गेंदों पर 108 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 11 गगनचुंबी छक्के और 9 चौके शामिल रहे।

(विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ पर..)

बीआरएस पर हमलावर रूख से हलचल

बंडी-रेवंत जोड़ी!

ओमप्रकाश सिर

हैदराबाद। 17 सितम्बर

तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों भाजपा नेता बंडी संजय कुमार के राजनीतिक रुख को लेकर नई बहस छिड़ गई है। भाजपा हाईकमान जहां राज्य में कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष को लगातार राजनीतिक मुद्दा बना रहा है, वहीं बंडी संजय की हालिया गतिविधियों को लेकर विपक्ष और राजनीतिक हलकों में सवाल उठाए जा रहे हैं। चर्चा का केंद्र यह है कि बंदी संजय कांग्रेस सरकार पर सीधे हमले करने की तुलना में बीआरएस और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार से जुड़े मामलों को अधिक प्रमुखता दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा केसीआर से संबंधित जमीन और संपत्तियों की जांच का मुद्दा उठाए जाने के बाद बंडी संजय ने भी बीआरएस नेताओं की कथित जमीनों के खिलाफ 'दंडयात्रा' की घोषणा की। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक बहस को और हवा दी है।

भाजपा के भीतर से कांग्रेस सरकार के खिलाफ शुल्क प्रतिपूर्ति, सरकारी नीतियों और कथित भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे विधानसभा तथा सार्वजनिक मंचों पर उठाए जाते रहे हैं। ऐसे में कुछ भाजपा नेताओं की ओर से यह सवाल उठाया जा रहा है कि राज्य सरकार के खिलाफ पार्टी के आंदोलन को जिस आक्रामकता की जरूरत है, वह बंडी संजय के रुख में क्यों दिखाई नहीं दे रही है।

इसी बीच विपक्षी नेताओं ने बंडी संजय पर आरोप लगाया है कि वे बीआरएस के खिलाफ तो लगातार मुखर हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं पर अपेक्षाकृत शांत दिखाई देते हैं। हालांकि, यह राजनीतिक आरोप हैं और बंडी संजय का पक्ष या भाजपा की आधिकारिक रणनीति को अलग से देखा जाना आवश्यक है।

राजनीतिक गलियारों में बंडी संजय और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बीच ▶8पर

कनिमोझी 'तीसरा'

उद्धव-ममता के साथ मोर्चा

चेन्नई, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की राजनीति में कांग्रेस से अलग क्षेत्रीय दलों को साथ लाकर एक बार फिर तीसरा मोर्चा बनाने की चर्चा तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव 2029 में अभी करीब तीन साल का वक्त है, लेकिन द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को नए सिरे से तय करने की कवायद शुरू कर दी है।

दरअसल, डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि पिछले कुछ समय से कई प्रमुख क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात कर रही हैं। उनकी अगली मुलाकात तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से होने की चर्चा है। हालांकि, अभी इसे किसी नए गठबंधन के गठन का आधिकारिक ऐलान नहीं माना जा रहा है।

अब कनिमोझी के कोलकाता जाकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करने की चर्चा ने तीसरे मोर्चे की अटकलों को और हवा दी है। क्षेत्रीय दलों के बीच कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी से अलग किसी राजनीतिक मंच की संभावना को लेकर पहले भी चर्चा होती रही है।

उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद बढ़ी चर्चा

कनिमोझी ने हाल में मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे से उनके आवास मातोश्री में मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। उद्धव गुट की ओर से बताया गया कि बैठक में परिसीमन के मुद्दे, भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन की स्थिति और विपक्ष में क्षेत्रीय दलों की भूमिका पर चर्चा हुई।यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस और डीएमके के रिश्तों में तनाव की चर्चा है। कांग्रेस ने अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम के साथ राजनीतिक तालमेल बढ़ाया है। इसके बाद डीएमके और कांग्रेस के बीच दूरी को लेकर अटकलें तेज हुई हैं। कनिमोझी ने इसके बाद दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और उनकी बेटी एवं लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले से भी मुलाकात की। इन बैठकों में भी क्षेत्रीय दलों के बीच समन्वय और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की बात सामने आई है।

तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश नई नहीं

गौरतलब है कि कांग्रेस के बिना तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश भारतीय राजनीति में पहले भी कई बार हो चुकी है। 2013 में ममता बनर्जी ने गैर-कांग्रेस और गैर-भाजपा दलों को साथ लाकर 'संघीय मोर्चा' की बात उठाई थी। इसके कुछ साल बाद तेलंगाना के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने भी इस विचार को आगे बढ़ाया। उन्होंने ममता बनर्जी और नवीन पटनायक समेत कई क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले यह प्रयास आगे नहीं बढ़ सका।2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को साथ लाकर 'प्रगतिशील राज्यों का समूह' बनाने की पहल की थी। हालांकि, यह विचार भी किसी व्यापक राष्ट्रीय मोर्चे में तब्दील नहीं हो पाया।

ममता से मुलाकात पर टिकी नजरें

कनिमोझी की प्रस्तावित ममता बनर्जी से मुलाकात को इसी व्यापक राजनीतिक संपर्क अभियान के क्रम में देखा जा रहा है। हालांकि, दोनों नेताओं की मुलाकात की आधिकारिक पुष्टि और उसके एजेंडे को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में इसे फिलहाल क्षेत्रीय दलों के बीच संवाद और समन्वय की कवायद के रूप में ही देखा जा रहा है। ▶8पर

'सिलेंडर महिला' भारी

अब 12 लाख मुआवजा देगा इंडियन ऑयल

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) को एक योग्य महिला उम्मीदवार सुमित्रा को 12 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। आईओसी ने उन्हें केवल महिला होने के आधार पर एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में रीफिलिंग हेल्पर की नौकरी देने से इनकार कर दिया था। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने यह कहकर नौकरी देने से इनकार किया था कि 'महिला सिलेंडर नहीं उठा पाएगी।' सुप्रीम कोर्ट ने इस सोच की कड़ी आलोचना करते हुए सवाल किया कि क्या महिलाएं एलपीजी सिलेंडर नहीं उठा सकतीं? अदालत ने केवल महिला होने के आधार पर नौकरी से वंचित किए जाने को नारीत्व का अपमान बताया। महिला अब सेवानिवृत्ति की उम्र तक पहुंच चुकी हैं। इसलिए अदालत ने उन्हें नौकरी देने के बजाय 12 लाख रुपये का मुआवजा देना उचित समझा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कॉर्पोरेशन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि केवल महिला होने के आधार पर नौकरी न देना नारीत्व का अपमान है।

इंडियन ऑयल के वकील ने दलील दी थी कि इस काम में भारी एलपीजी सिलेंडर उठाने पड़ते हैं और रात की पाली में भी काम करना होता है। इसलिए संभवतः अधिकारियों ने महिला को इस काम के लिए उपयुक्त नहीं माना। ▶8पर

यूपीआई कस्टमर फ्रेंडली

दुकानदारों पर होगी कडी निगरानी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपीआई लेन-देन पर शुल्क लगाए जाने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सरकार अब यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा यूपीआई भुगतान पर लगने वाले 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों पर न डाला जाए। नया शुल्क ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगा। यह शुल्क सीधे ग्राहकों से नहीं लिया जाएगा, बल्कि संबंधित व्यापारी से वसूला जाएगा। कारोबारियों की ओर से बुधवार को यह बात सामने आई थी कि शुल्क का भार वे अपने ग्राहकों पर डाल सकते हैं। इसके बाद सरकार ने इस मामले पर नजर रखने और यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि ग्राहक से यूपीआई भुगतान के नाम पर अलग से शुल्क न वसूला जाए। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भी स्पष्ट किया है कि एमडीआर को ग्राहकों पर नहीं डाला जा सकता।

15 अक्टूबर से लेन-देन की दैनिक निगरानी

सरकार के उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, शुल्क का भार ग्राहकों पर पड़ने से रोकने के लिए कारोबारियों और भुगतान एग्रीगेटरों के बीच आवश्यक व्यवस्था को लेकर बातचीत चल रही है। सरकार इस मामले में कारोबारियों और भुगतान एग्रीगेटरों के संपर्क में है। 15 अक्टूबर के बाद यूपीआई भुगतानों की रोजाना निगरानी की जाएगी ▶8पर

जन्म-मृत्यु हाथों-हाथ

पंजीकरण में देरी की तो खैर नहीं

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में जन्म और मृत्यु के पंजीकरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाने के लिए केंद्र सरकार ने कानूनी व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के सभी प्रावधान आगामी 1 अक्टूबर 2026 से देशभर में लागू होंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण की ओर से 16 सितंबर को जारी राजपत्र अधिसूचना में इसकी पुष्टि की गई है। संसद से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में यह नया संशोधन किया गया है। इसका उद्देश्य जन्म और मृत्यु की घटनाओं का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करना तथा देर से होने वाले पंजीकरण में सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक सख्त बनाना है।

एक से दो साल की देरी पर अधिकारी की मंजूरी जरूरी

नए संशोधन के तहत यदि जन्म या मृत्यु की सूचना घटना के एक वर्ष बाद लेकिन दो वर्ष के भीतर दी जाती है, तो उसका पंजीकरण संबंधित क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट, उपमंडल मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जा सकेगा। इसके लिए संबंधित अधिकारी को जन्म या मृत्यु की घटना की सत्यता की जांच करनी होगी और निर्धारित शुल्क का भुगतान भी करना होगा। ▶8पर

क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति ने कहा पड़ोसियों के साथ विवाद सुलझाने को तैयार

तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा है कि उनका देश अपने पड़ोसी देशों के साथ बातचीत, आपसी समझ और सम्मान के जरिए मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से सहयोग बढ़ाने और अस्थिरता के कारणों को कम करने का आह्वान किया।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के अनुसार, इराक के पैट्रियटिक यूनियन आफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के प्रमुख बाफेल तलबानी के साथ बैठक में राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने ईरान और इराकी कुर्दिस्तान के लोगों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को महत्वपूर्ण बताया।

पेज़ेशकियन ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय देशों को कमजोर करने और उनके संसाधनों का फायदा उठाने के लिए विभाजन और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए क्षेत्र के देशों को आपसी सहयोग और संवाद बढ़ाना चाहिए।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि यदि किसी समूह की जायज मांगें हैं, तो ईरान बातचीत और आपसी सम्मान के दायरे में उन मुद्दों को सुलझाने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देशों से भी अनुचित व्यवहार और अत्यधिक मांगों से बचने की अपील की।

उन्होंने मुस्लिम देशों के बीच साझा धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान सहयोग, बातचीत, निष्पक्षता और न्याय के जरिए किया जा सकता है।

बैठक के दौरान पेज़ेशकियन ने ईरान और इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र के बीच आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर भी जोर दिया। वहीं, बाफेल तलबानी ने ईरान को इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र का करीबी मित्र बताते हुए दोनों पक्षों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। तलबानी ने सीमा सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कुर्दिस्तान क्षेत्र से लगी ईरान की सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान और इराक के बीच हुए सुरक्षा समझौते के तहत सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय सरकार-विरोधी समूहों से निपटने और क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। तलबानी के साथ एक आर्थिक टीम भी ईरान पहुंची, जिसका उद्देश्य व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करना था। तलबानी की ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसेन रेज़ाई के साथ भी बैठक हुई।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन में शामिल होगा कनाडा

वाशिंगटन। कनाडा ने ब्रिटेन के नेतृत्व वाले जाइंट एक्सपेडिशनरी फोर्स (जेईएफ़) में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया है। इसे कनाडा और ब्रिटेन समेत यूरोपीय सहयोगी देशों के बीच रक्षा एवं सैन्य सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने बताया कि कार्नी ने जेईएफ़ में शामिल होने के लिए आवेदन की घोषणा की और इस पहल में कनाडा की भागीदारी के लिए ब्रिटेन के समर्थन का स्वागत किया। यह घोषणा ब्रिटेन में कार्नी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम की मुलाकात के बाद हुई। दोनों नेताओं ने कनाडा और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। जेईएफ में फिलहाल डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, आइसलैंड, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, नार्वे, स्वीडन और ब्रिटेन शामिल हैं। यह गठबंधन मुख्य रूप से उत्तरी यूरोप और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एवं सैन्य सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है। बैठक के दौरान कार्नी और बर्नहम ने ग्लोबल काम्बैट एयर प्रोग्राम (जीसीएपी) के जरिए रक्षा-औद्योगिक सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। कनाडा जुलाई में इस कार्यक्रम में आब्जर्वर के तौर पर शामिल हुआ था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय ने कनाडा के जीसीएपी में पहला आब्जर्वर देश बनने का भी स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

संयुक्त राष्ट्र को अमेरिका से 72.5 करोड़ डालर मिले, 2027 में मतदान अधिकार सुरक्षित

न्यायार्क। अमेरिकी प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के नियमित बजट में 72.5 करोड़ डालर का भुगतान किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस भुगतान से अमेरिका का बकाया कम हुआ है और वर्ष 2027 में महासभा में उसके मतदान अधिकार पर तत्काल मंडरा रहा खतरा भी टल गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि अमेरिका ने नियमित बजट के लिए 72.5 करोड़ डालर का भुगतान किया। इससे पहले अमेरिका ने शांति अभियानों के लिए भी 10.2 करोड़ डालर का भुगतान किया था। हक के मुताबिक, भुगतान के बाद भी अमेरिका पर संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट का करीब 1.312 अरब डालर बकाया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि नए भुगतान के कारण अमेरिका 2027 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 19 के तहत मतदान अधिकार खोने की स्थिति में नहीं है। अनुच्छेद 19 के अनुसार, यदि किसी सदस्य देश का बकाया उसके दो वर्षों के देय नियमित योगदान से अधिक हो जाता है तो महासभा में उसका मतदान अधिकार निलंबित किया जा सकता है। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में छूट का प्रावधान भी है। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के बजट में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली और खर्चों पर सवाल उठाते हुए कई एजेंसियों के लिए स्वैच्छिक वित्त पोषण में कटौती की है।

नेपाल के वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले तीन दिवसीय भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले तीन दिवसीय भारत दौरे के लिए नई दिल्ली पहुंचे हैं। वाग्ले की भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य आपदा के बाद पुनर्निर्माण सहित दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना है। उनके सचिवालय के अनुसार, यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत होगी। वाग्ले भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करेंगे। वह भारत के पूर्व विदेश सचिव श्याम शरण द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनकी भारतीय विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर से भी मुलाकात निर्धारित है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष जावेद अशरफ द्वारा आयोजित व्यापक बैठक में शामिल होंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों के सम्मेलन में वह मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लेंगे।

लाल सागर में तनाव के बीच मस्कट में अमेरिका-हूती के बीच हुई गुप्त बैठक

मस्कट

लाल सागर में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राजनयिकों ने ओमान की राजधानी मस्कट में हूती प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मामले की जानकारी रखने वाले एक क्षेत्रीय सूत्र के मुताबिक, यह बैठक सप्ताहांत में ओमान स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई। बैठक में अमेरिका और हूतियों के बीच मई 2025 के युद्धविराम को बनाए रखने और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को खुला रखने पर चर्चा हुई। अमेरिकी समाचार एजेंसी एक्सिओस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि बैठक ओमान सरकार की मदद से आयोजित की गई थी। अमेरिका की कोशिश है कि वह यमन में सऊदी अरब और हूतियों के बीच चल रहे संघर्ष में सीधे सैन्य रूप से शामिल हुए बिना लाल सागर के इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में आवाजाही जारी रखे। वाशिंगटन ने अब तक सऊदी अरब की ओर से सैन्य सहयोग के अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया है।

सूत्र ने बताया कि अमेरिका की ओर से बैठक में अमेरिकी दूतावास के राजनयिक शामिल हुए, लेकिन अमेरिकी राजदूत इसमें मौजूद नहीं थे। बैठक के दौरान हूती प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर कहा कि वे अमेरिका के साथ मई 2025 में हुए युद्धविराम को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल में फिर शुरू हुई उनकी कार्रवाई केवल सऊदी जहाजों को निशाना बना रही है। साथ ही हूतियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से अन्य जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता बनाए रखने का आश्वासन भी दिया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बैठक की खबरों पर सीधे टिप्पणी करने से इनकार किया। विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि मध्य पूर्व में अमेरिका के प्रमुख हितों में लाल सागर और क्षेत्र में आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना तथा आतंकवाद के प्रसार को रोकना शामिल है।

प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका यमन को लेकर अपने क्षेत्रीय सहयोगियों और साझेदारों के साथ नियमित संपर्क में है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हूतियों और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ साझा आतंकवाद-रोधी लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

बैठक के एक दिन बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका हूतियों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका सीधे तौर पर हूतियों से बातचीत में शामिल रहा है और प्रशासन का मानना है कि वह स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है।

इसी बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अल-बुसैदी से क्षेत्रीय तनाव कम करने के प्रयासों को लेकर बातचीत की।

लाल सागर संकट के बीच यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच तनाव हाल के दिनों में बढ़ा है। हूतियों की ओर से सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की खबरें सामने आई हैं। इनमें मक्का की दिशा में ड्रोन हमले और सऊदी अरब के अन्य शहरों को निशाना बनाने वाले मिसाइल हमले भी शामिल हैं।

सऊदी अरब ने यमन में हूती ठिकानों के खिलाफ हवाई हमले तेज किए हैं। हालांकि, सऊदी समर्थित यमनी बलों को अब तक जमीन पर हूतियों के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल नहीं हुई है।

हूती विद्रोहियों का अब भी बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास के तटीय क्षेत्रों और कई द्वीपों पर नियंत्रण है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस समुद्री मार्ग को खुला रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक प्रमुख शिपिंग रूट है।

मस्कट में हुई बैठक से संकेत मिलता है कि ओमान अमेरिका और हूतियों के बीच संवाद के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। क्षेत्रीय तनाव के बीच अमेरिका के सामने चुनौती यह है कि वह लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही बनाए रखते हुए यमन के संघर्ष में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच सके।

ईरान में अमेरिकी हमले युद्ध अपराध हो सकते हैं

संयुक्त राष्ट्र की जांच रिपोर्ट में मिनाब के बालिका विद्यालय पर हमले का जिक्र, 120 बच्चों समेत 156 लोगों की मौत का दावा

न्यूयॉर्क ।

ईरान पर फरवरी में हुए अमेरिकी सैन्य हमलों को लेकर संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र जांच रिपोर्ट सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की जांच टीम ने कहा है कि उसके पास यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि ईरान के मिनाब शहर में एक बालिका विद्यालय और लामेर्द शहर में एक खेल केंद्र पर हुए हमले अमेरिकी सेना ने किए थे। जांच मिशन के अनुसार, दोनों हमलों में अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन और युद्ध अपराध के संभावित मामले सामने आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की तथ्य-खोज टीम ने मिनाब शहर स्थित शाजारेह तैयबेह प्राथमिक विद्यालय पर हुए हमले की जांच की। रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को हुए इस हमले में 156 नागरिकों की मौत हुई, जिनमें करीब 120 बच्चे शामिल थे। ईरानी अधिकारियों ने मृतकों की संख्या 150 से अधिक बताई थी। संयुक्त राष्ट्र जांच के मुताबिक विद्यालय स्पष्ट रूप से एक नागरिक इमारत था और उसे सैन्य गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

जांच टीम के अनुसार, अमेरिकी सेना के पास ऐसी खुफिया जानकारी थी कि ईरान का एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर विद्यालय में मौजूद हो सकता है। हालांकि, हमले से पहले इस सूचना की पर्याप्त पुष्टि नहीं की गई। जांच मिशन ने निष्कर्ष दिया कि विद्यालय पर किया गया हमला अंधाधुंध था और इससे नागरिकों तथा नागरिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट के अनुसार, विद्यालय की छत अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के हमले से ढह गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में ईरान के लामेर्द शहर स्थित एक खेल केंद्र पर हुए दूसरे हमले की भी जांच की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले से आसपास की आवासीय इमारतों और एक विद्यालय को नुकसान पहुंचा तथा 22 नागरिकों की मौत हुई। जांच मिशन ने इस हमले को भी अंधाधुंध हमला माना और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध की श्रेणी में आने वाला संभावित उल्लंघन बताया। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने मार्च में कहा था कि अमेरिकी सेना ने उस दिन लामेर्द शहर में कोई हमला नहीं किया था। इसलिए इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र जांच के निष्कर्ष और अमेरिकी पक्ष के दावे में स्पष्ट अंतर है। रिपोर्ट के सामने आने के बाद अमेरिकी हमलों की जिम्मेदारी और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जवाबदेही को लेकर चर्चा तेज हो सकती है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की जांच में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। युद्ध अपराध के संभावित उल्लंघन का निष्कर्ष और किसी राजनीतिक नेता की व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी दो अलग कानूनी प्रश्न हैं।

नेपाल में आई बाढ़ में बहने से 191 वाहन और 344 लोग लापता

काठमांडू। नेपाल के रसुवा जिले में 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से नेपाल यातायात व्यवसायी राष्ट्रीय महासंघ के अंतर्गत आने वाले 191 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ में इन वाहनों के चालक, सहचालक और यात्रियों समेत 344 लोग लापता हैं। महासंघ के महासचिव डेकनाथ गौतम के अनुसार, बाढ़ से देशभर की नौ यातायात कंपनियों के वाहन प्रभावित हुए हैं। नेपाल अरनिको यातायात सेवा प्राइवेट लिमिटेड की 19 बस, एक मिनीट्रक, दो जीप और चार कंटेनर बाढ़ में बह गए हैं, जबकि 50 मजदूर लापता हैं। इसी तरह पासाड़ ल्हामु यातायात प्राइवेट लिमिटेड, बालाजु की 19 बसें और 21 लोग लापता हैं। भक्तपुर न्यू विजन यातायात प्राइवेट लिमिटेड के दो कंटेनर मलबे में दबने से दो चालक लापता हैं। हिमालयन यातायात कंपनी के चार ट्रक, 16 कंटेनर और एक सुमो वाहन बह गए हैं और 10 चालक लापता हैं। वहीं, नेपाल टिपर तथा ट्रक व्यवसायी समिति के सात टिपर, 22 कंटेनर, 23 ट्रक और एक ट्रेलर बाढ़ के मलबे में दब गए हैं, जबकि 45 चालक लापता हैं।

करीब 5 हजार रोहिंग्याओं की वापसी को मंजूरी, म्यांमार से बातचीत करेंगे मलेशियाई पीएम

कुआलालंपुर

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि वह म्यांमार के सैन्य शासन के प्रमुख से राष्ट्रपति बने मिन आंग ह्लाइंग को आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित करेंगे। इस दौरान मलेशिया हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों की म्यांमार वापसी के मुद्दे पर बातचीत करेगा।

अनवर ने कहा कि मलेशिया और म्यांमार की मौजूदा सरकार को औपचारिक मान्यता देने के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन शरणार्थियों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत के लिए म्यांमार के साथ संवाद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक बातचीत के जरिए ही रोहिंग्या शरणार्थियों की सुरक्षित और चरणबद्ध वापसी का रास्ता निकाला जा सकता है।

अनवर के मुताबिक, म्यांमार ने करीब 5,000 शरणार्थियों की वापसी को मंजूरी दी है। उनकी वापसी का खर्च मलेशिया उठाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शुरुआती चरण के बाद अन्य शरणार्थियों की वापसी भी चरणबद्ध तरीके से संभव होगी।

मलेशिया ने इससे पहले कहा था कि स्वैच्छिक वापसी कार्यक्रम के पहले चरण के तहत सितंबर में करीब 1,500 म्यांमार शरणार्थियों को वापस भेजने की योजना है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार, म्यांमार लौटना रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए अभी सुरक्षित नहीं माना जाता।

मिन आंग ह्लाइंग ने 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता संभाली थी। अप्रैल में राष्ट्रपति बनने के बाद से वह विदेश यात्राओं और आधिकारिक दौरों के जरिए अपनी सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

अनवर ने कहा कि मलेशिया पहले म्यांमार की सैन्य सरकार का मुखर आलोचक रहा है और संघर्ष रोकने से इनकार करने पर उसने कई बार निराशा जताई है। हालांकि, अब शरणार्थियों की वापसी के लिए म्यांमार के साथ व्यावहारिक बातचीत की जरूरत है।

मिन आंग ह्लाइंग हाल के महीनों में लाओस, थाईलैंड, कंबोडिया और वियतनाम के अलावा चीन, भारत और रूस का भी दौरा कर चुके हैं। मलेशिया की यात्रा होने पर वह आसियान के 11 सदस्य देशों में से पांचवें देश का दौरा करेंगे।

रोहिंग्या म्यांमार का एक उत्पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय है। बड़ी संख्या में रोहिंग्या लंबे समय से म्यांमार से भागकर पड़ोसी देशों में शरण लेते रहे हैं। बांग्लादेश में दस लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, जबकि मलेशिया में भी बड़ी संख्या में म्यांमार से आए शरणार्थी मौजूद हैं।

अनवर ने रोहिंग्या समुदाय की परेशानियों को स्वीकार करते हुए कहा कि मलेशिया उन्हें स्थायी रूप से अपने यहां नहीं रख सकता। उनका कहना है कि समाधान के लिए म्यांमार से बातचीत और कूटनीति जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा से पहले अमेरिका-फिलिस्तीन तनाव बढ़ा, वीजा प्रतिबंधों का ऐलान

वाशिंगटन

न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की शुरुआत से कुछ दिन पहले अमेरिका ने फिलिस्तीनी अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि फिलिस्तीन लिबरेशन आर्गनाइजेशन (पीएलओ) के सदस्यों और फिलिस्तीनी अथारिटी (पीए) के अधिकारियों के लिए वीजा प्रतिबंधों को आगे भी जारी रखा जाएगा।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कांग्रेस को बताया कि पीएलओ और पीए अमेरिकी कानूनों के तहत किए गए अपने वादों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में फिर से विफल रहे हैं। विभाग ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फिलिस्तीनी पक्ष की कई कार्रवाइयों का हवाला दिया।

अमेरिका ने विशेष रूप से इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) और इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस (आईसीजे) के माध्यम से इजरायल-फिलिस्तीन विवाद को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों तक ले जाने की कोशिशों का उल्लेख किया।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, फिलिस्तीनी पक्ष की ओर से फिलिस्तीनी राज्य को एकतरफा अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने के प्रयास भी बातचीत की प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश के तौर पर देखे जा रहे हैं।

अमेरिका ने पीएलओ और पीए पर आतंकवादियों को आर्थिक सहायता देने और आतंकवाद को बढ़ावा देने के भी आरोप लगाए हैं।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा का नया सत्र अगले सप्ताह न्यूयार्क में शुरू होने वाला है। पिछले साल भी अमेरिका ने महासभा से पहले पीएलओ और पीए के अधिकारियों के वीजा को मंजूरी देने से इनकार किया था या कुछ वीजा रद्द किए थे।

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय समझौते के तहत न्यूयार्क स्थित फिलिस्तीनी मिशन को कुछ विशेष छूट प्राप्त है।

पिछले साल फिलिस्तीनी अथारिटी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास व्यक्तिगत रूप से महासभा में शामिल नहीं हो सके थे और उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए सभा को संबोधित किया था।

अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्टी प्रवक्ता पालोमा चाकान ने कहा कि ट्रंप प्रशासन हर वीजा फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा निर्णय मानता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के तौर पर अमेरिका अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेता है, लेकिन वीजा आवेदकों की जांच और सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा।

चाकान के मुताबिक, महासभा में शामिल होने वाले प्रतिनिधिमंडलों को वीजा आवेदन से जुड़ी आवश्यकताओं के बारे में पहले ही जानकारी दी गई थी। यदि कोई आवेदक सुरक्षा जांच के मानकों या अन्य निर्धारित दिशानिर्देशों को पूरा नहीं करता है, तो उसका वीजा अस्वीकार किया जा सकता है।

अमेरिका की घोषणा पर फिलिस्तीनी अथारिटी या पीएलओ की ओर से तत्काल कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि राष्ट्रपति महमूद अब्बास और आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने वाले फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य के वीजा आवेदन पर क्या फैसला लिया गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी. कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं. यात्रा के भी योग हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. आज आप अपने परिवार के साथ आनंद और मौज-मस्ती युक्त समय बिताएंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है. अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. ऑफिस के कुछ खास काम निपटाने में आप सफल हो सकते हैं.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. अपने गुरु को कुछ उपहार दें, आपकी सभी परेशानियां दूर होंगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार बढ़ेगा. अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता है. दिन थकान भरा रहेगा. आराम करें नहीं तो परेशानी हो सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा. अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. आप खुश और शांत रहेंगे.विवाह योग्य संतान का रिश्ता पक्का हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. विदेशी संस्थान से छात्रवृत्ति या प्रवेश संबंधी खबर की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को अच्छी खबर मिलेगी. सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख़्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बनायेंगे. इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नए सौदे आज न करें तो ही अच्छा है. पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. सिर और पेट दर्द हो सकता है. भोजन में सावधानी रखें.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यद्यपि आपकी माँ की स्वास्थ्य-स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपको खुश करेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 18 सितंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 01:02 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 10:45 तक
योग : प्रीति दोपहर 01:34 तक
करण : वणिज दोपहर 01:02 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 10:45 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दूबड़ी साते , गण्डमूल चालू है , भद्रा दोपहर 01:02 से रात्रि 02:13 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना जीवन जनता को समर्पित किया : धनपाल सूर्यनारायण

इंदौर, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी विधायक धन पाल सूर्यनारायण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन जनता को समर्पित कर दिया है और वे निरंतर जनकल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में शहर के रेलवे स्टेशन के सामने 'आशीर्वाद दीपम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विधायक धन पाल सूर्यनारायण ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 13 वर्षों तक मुख्यमंत्री और 12 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में एक सार्वभौमिक शिक्षक के रूप में स्थापित हो रहा है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के 55 वर्षों के शासनकाल में जितना विकास हुआ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के शासनकाल में उससे दोगुना विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के समन्वय से ही देश का समग्र विकास संभव है।

विधायक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे 100 वर्ष तक स्वस्थ रहें और देश की सेवा करते रहें। इसके बाद उन्होंने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।कार्यक्रम में भाजपा के फ्लोर लीडर प्रमोद, पार्षद नागोला लक्ष्मीनारायण, माथम पवन, श्रवण कुमार, बंटू प्रीति, ज्योति, एर्रम सुधीर, मलकई महेंद्र, बट्टू राघवेंद्र, पंचरेड्डी अनिता, महिला मोर्चा अध्यक्ष वनिता, नेता मल्लेश यादव, बंटू प्रवीण, इप्पकायला किशोर, मुरली, मंडल अध्यक्ष गद्दाम राजू, आनंद राव तथा रेलवे स्टेशन मास्टर सदाशिवुडु सहित अन्य अधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजमेर से बेंगलूरु पहुंचे धर्मेंद्र राठौड़, सुभाष अग्रवाल से की राजनीतिक मंत्रणा

बेंगलूरु, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ अजमेर नगर निगम चुनाव में कांग्रेस से विजयी पार्षदों के दल के साथ बेंगलूरु पहुंचे हैं। इसी क्रम में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुभाष अग्रवाल ने राजस्थान कांग्रेस के नेता धर्मेंद्र राठौड़ से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव के परिणामों तथा अजमेर नगर निगम में महापौर चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अजमेर नगर निगम के महापौर चुनाव में कांग्रेस की रणनीति, पार्षदों की एकजुटता तथा आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक परिस्थितियों पर विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस की ओर से किरण गढ़वाल को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया गया है। 17 सितंबर को उनके नामांकन पर भाजपा की ओर से नगर निगम की कथित बकाया राशि को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन निर्वाचन अधिकारियों ने भाजपा की आपत्ति खारिज करते हुए किरण गढ़वाल का नामांकन वैध माना। इसके साथ ही वे महापौर चुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी बनी हुई हैं।अजमेर नगर निगम में कुल 80 पार्षद हैं। चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने 37 और भाजपा ने 32 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि 11 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं। महापौर चुनाव में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने इससे पहले कहा था कि कांग्रेस के 37 पार्षदों के साथ पांच निर्दलीय पार्षदों को बेंगलूरु लाया गया है। उनके अनुसार, पार्षदों को कथित दबाव से बचाने के उद्देश्य से उन्हें यहां रखा गया है।

धर्मेंद्र राठौड़ और सुभाष अग्रवाल के बीच हुई राजनीतिक मंत्रणा में कांग्रेस की ओर से महापौर चुनाव जीतकर अजमेर में बोर्ड बनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं ने विश्वास जताया कि पार्टी एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और महापौर चुनाव में सफलता हासिल कर अजमेर में जनसेवा एवं विकास के कार्यों को आगे बढ़ाएगी।इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने राजस्थान के निकाय चुनाव परिणामों को लेकर कांग्रेस के पक्ष में राजनीतिक संदेश मिलने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन परिणामों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति जनता के असंतोष को सामने ला दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राजस्थान की राजनीति में इसके प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

गायत्री कॉलेज के दो छात्रों का एमबीबीएस में दाखिला

पेद्दापल्ली, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली स्थित गायत्री जूनियर कॉलेज के दो छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक हासिल कर एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया। पी. बालाजी ने 1,326वीं तथा पी. सिंधु ने 2,889वीं रैंक हासिल कर कॉलेज का नाम रोशन किया।इस अवसर पर गायत्री शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष अल्लांकी श्रीनिवास ने दोनों छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कॉलेज में सामान्य विद्यार्थियों को भी उच्च स्तर की चिकित्सा शिक्षा के लिए तैयार किया जाता है। बालाजी और सिंधु ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण को दिया। प्रधानाचार्य सुरेश ने भी दोनों छात्रों को बधाई दी।

समस्या को लटकाए रखना और समाधान की ओर कदम न बढ़ाना सबसे बड़ा पाप : डॉ. कमल मुनि

मैसूरु, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में जैन स्थानक भवन में चातुर्मास कर रहे डॉ. कमल मुनि कमलेश ने कहा कि समस्या को पैदा करना, उसे लटकाए रखना और समाधान की दिशा में कदम नहीं उठाना तथा जनता को गुमराह करना सबसे बड़ा पाप है। यह महापुरुषों के सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ करने के समान है।

उन्होंने कहा कि धर्म के माध्यम से विश्व की सभी समस्याओं का समाधान संभव है। दुर्भाग्य है कि नादान और स्वार्थी लोगों ने धर्म को ही समस्या के रूप में खड़ा कर दिया है। यह धर्म और पाप की निशानी है। धर्म हर समस्या का विकल्प प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि समस्या का विकल्प दिए बिना केवल विरोध करने का कोई अधिकार नहीं है। विरोध से कभी विरोध समाप्त नहीं होता।

डॉ. कमल मुनि ने कहा कि जितना समय, शक्ति और पैसा विरोध में लगाया जाता है, उतना ही समय यदि विकल्प तलाशने और समाधान के लिए लगाया जाए तो समस्या का हमेशा के लिए समाधान हो सकता है। इससे एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत होगा, जो सदियों तक जनता का मार्गदर्शन करता रहेगा। ऐसा करने वाला ही सच्चा धार्मिक कहलाता है।

उन्होंने कहा कि केवल विरोध के लिए विरोध करना, तनाव, टकराव और अशांति का माहौल बनाना व्यक्ति के अपने सद्गुणों को नष्ट करता है। इससे आंतरिक शांति भंग होती है और व्यक्ति असाध्य रोगों का शिकार हो सकता है। इस प्रकार वह स्वयं अपनी आत्मा का नुकसान करता है। महापुरुषों ने समस्या पैदा करने वालों की आलोचना और विरोध करने के बजाय विकल्प के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया है।

विरोध अपने आप में हिंसा की जननी है। समस्या अंधेरे के समान है। अंधेरे को डंडे से पीटने के बजाय विकल्प के रूप में एक दीप जला दिया जाए तो अंधेरा अपने आप समाप्त हो जाता है।

अनीता ओसवाल के अभिनंदन समारोह के उपलक्ष्य में भक्ति गीतों का आयोजन किया गया। वहीं, 18 और 19 सितंबर को आचार्य सम्राट डॉ. शिव मुनि की 85वीं जन्म जयंती के अवसर पर रक्तदान, नेत्रदान, देहदान और अभयदान के लिए प्रत्येक के 85-85 फार्म भरवाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में सक्षम मुनि एवं अक्षत मुनि ने मंगलाचरण किया। घनश्याम मुनि एवं कौशल मुनि ने विचार व्यक्त किए। अंतरराष्ट्रीय जैन दिवाकर विचार मंच, मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार संघ का शाल एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

रेल यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि, नशे की तस्करी पर विशेष निगरानी

बीकानेर, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त ज्योति कुमार सतीजा ने गुरुवार को बीकानेर में कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

बीकानेर मंडल के दौरे पर आए सतीजा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर नशे की तस्करी रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। भारत सरकार के 'ड्रग्स फ्री इंडिया' अभियान के तहत आरपीएफ द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष करीब आठ माह में नारकोटिक्स से जुड़े 52 मामले पकड़े गए हैं, जिनमें बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपये है।

इससे पहले आयोजित सुरक्षा सम्मेलन में यात्रियों एवं रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम, नशे की तस्करी पर अंकुश तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सतीजा ने बीकानेर मंडल में आरपीएफ अधिकारियों एवं जवानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने यात्रियों से अपील की कि रेलवे स्टेशन या ट्रेन में कोई लावारिस अथवा संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर उसे न छुएं और तत्काल आरपीएफ या संबंधित रेलवे कर्मचारी को सूचना दें। सम्मेलन में डीएससी बी.पी. कुशवाह, एएससी कैलाश सहित आरपीएफ के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

डॉ. चंद्रकांत इंडियन ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। थलसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती रत्नावली कोट्टापल्ली को इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा प्रतिष्ठित 'इंडियन ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व, धर्मार्थ कार्यों और मानवता के प्रति अनुकरणीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है। पुरस्कार पत्र में स्वास्थ्य सेवा, स्वैच्छिक रक्तदान, शिक्षा, मरीज कल्याण और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की गई है। इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने थलसीमिया और सिकल सेल विकारों के प्रति जागरूकता, रोकथाम और समाज कल्याण से जुड़ी पहलों में उनकी सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया है। इस सम्मान का आधिकारिक न्यायनिर्णयन डॉ. पवनी, एम. अक्षया गायत्री और चकीलम् विशाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने कहा कि यह पुरस्कार उन सभी मरीजों, परिवारों, स्वैच्छिक रक्तदाताओं, स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों को समर्पित है, जो एक स्वस्थ और संवेदनशील समाज के निर्माण में निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर बांसवाड़ा में पूजा, रक्तदान व अन्नदान

बांसवाड़ा, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को बांसवाड़ा शहर में विभिन्न सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अयप्पा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री मोदी के लिए भगवान अयप्पा से देश की सेवा करने की शक्ति, उत्तम स्वास्थ्य, सुख एवं दीर्घायु की प्रार्थना की गई।

इसके बाद बांसवाड़ा स्थित भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अंबेडकर स्क्वायर पर मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वहीं, संगमेश्वरम कॉलोनी में महा अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

पीएम के जन्मदिन पर आंगनवाड़ी बच्चों को फल वितरित

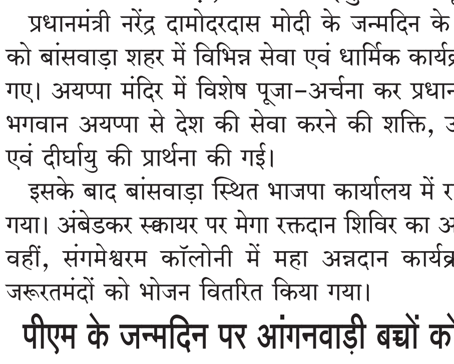

बांसवाड़ा, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को नसुरुल्लाबाद मंडल केंद्र में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को फल वितरित किए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्री हनमंडलू ने प्रधानमंत्री मोदी को महान नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी जिला कार्यकारी सदस्य वडला सतीश, गंगाधर गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष शेखर, बाका नागराजू, आदिवासी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामदास, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सैलू, बंदापल्ली श्रीनू, जेला सैलू, रविकांत, नितिन सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अडाणी फाउंडेशन और एसीसी वाडी की पहल

भीमा बाई ने शुरू किया खुद का व्यवसाय, परिवार की आय हुई दोगुनी

वाड़ी (कर्नाटक)। एसीसी और अडाणी फाउंडेशन ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत ग्रामीण कर्नाटक की महिलाओं को आर्थिक अनिश्चितता से उबारकर आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है। वाडी संयंत्र के आसपास के क्षेत्रों में अदानी फाउंडेशन की इस पहल से कई परिवार अब प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं।

ऐसी ही एक कहानी है रावूर गांव की रहने वाली भीमा बाई की। कुछ समय पहले तक उनके परिवार की मासिक आय केवल 7,000 से 8,000 रुपये थी, जिससे बुनियादी जरूरतें तो पूरी हो जाती थीं, लेकिन बचत करना असंभव था। बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना भी उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना रहता था।

वर्ष 2024 में भीमा बाई अदानी फाउंडेशन द्वारा समर्थित 'रेणुका येल्लम्मा स्वयं सहायता समूह' से जुड़ीं। समूह से मिले ऋण की मदद से उन्होंने हाथ से झाड़ू बनाने का एक छोटा व्यवसाय शुरू किया। भीमा बाई के परिश्रम और व्यापारिक सूझबूझ को देखते हुए, अदानी फाउंडेशन ने वर्ष 2025 में उन्हें एक आधुनिक झाड़ू बनाने की मशीन प्रदान की।

इस मशीन के मिलने से उनके उत्पादन में भारी बढ़ोतरी हुई। पहले जहां भीमा बाई महीने में केवल 200 झाड़ू बना पाती थीं, वहीं अब उनका उत्पादन बढ़कर 500 झाड़ू प्रति माह हो गया।आज भीमा बाई के परिवार की मासिक आय बढ़कर 15,000 से 17,000 रुपये हो गई है। अब उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जो परिवार कभी तंगहाली में जीवन बिता रहा था, आज वह न केवल सुख-सुविधा से रह रहा है बल्कि भविष्य के लिए बचत भी कर पा रहा है।अदानी फाउंडेशन की इस समयबद्ध सहायता और अपनी मेहनत के बल पर भीमा बाई ने अपने परिवार की स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। उनकी यह सफलता क्षेत्र की कई अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

किनवट में मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस मनाया गया

किनवट, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस की 78वीं वर्षगांठ पर गुरुवार को किनवट में विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं प्रमुख स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपविभागीय अधिकारी कार्यालय परिसर में सहायक जिलाधिकारी एवं प्रकल्प अधिकारी बी. सरवनन ने मुख्य शासकीय ध्वज फहराया।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी, डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर एवं स्वामी रामानंद तीर्थ की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और पुलिस बल ने मानवंदना दी। स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए उनकी वंशज मुक्ताबाई निवृत्ति सावते का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. शारदा चौडेकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी चंद्रशेखर कदम, पुलिस निरीक्षक जगदीश मंडलवार सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तहसील कार्यालय, पंचायत समिति, नगर परिषद एवं कांग्रेस कार्यालय में भी ध्वजारोहण किया गया।

गायत्री मंत्र को महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के ऋषि विश्वामित्र और देवी सरस्वती हैं। यदि शास्त्रों में वर्णित विधि अनुसार इसका जाप किया जाए, तो मां सरस्वती प्रसन्न होकर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देती है...

वेदमाता गायत्री

गायत्री शब्द का अर्थ है प्राणरक्षक। 'गाय' कहते हैं प्रण को तथा 'त्री' का तात्पर्य है त्राण संरक्षण करने वाली। अत: जिस शक्ति से प्राण का, प्रतिभा का व जीवन का संरक्षण होता है, उसे गायत्री कहते हैं। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने अपने चार मुखों से गायत्री के चार भागों का व्याख्यान चार वेदों के रूप में किया था। इसी कारण गायत्री को वेद माता कहते हैं। यह गायत्री मंत्र भारतीय संस्कृति, धर्म एवं तत्वज्ञात का बीज है।

त्रियदा गायत्री

गायत्री वैदिक संस्कृत का एक छंद है, जिसमें आठ-आठ अक्षरों के तीन चरण कुल 24 अक्षर होते हैं। 'ॐ भूर्भुव: स्व:' यह गायत्री का शीर्ष कहलाता है। शेष आठ- आठ अक्षरों के तीन चरण हैं। इन्हीं तीन चरणों के कारण गायत्री को त्रियदा कहा जाता है। एक शीर्ष तथा तीन अन्य चरण इस प्रकार उसके चार भाग बने। इन चारों चरणों का रहस्य ही वेदों में वर्णित किया गया है।

मंत्र का भानार्थ

ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्य भर्गो देवस्य धीमहि। धियों योन: प्रचोदयात्

प्रत्येक वेदमंत्र के प्रारंभ में ॐ का प्रयोग किया जाता है। ॐ कार ईश्वर का द्योतक है। गायत्री मंत्र में भी ॐ कार का प्रयोग इसी कारण से हुआ है। 'भू:र्भुवस्व:' यह तीन लोक हैं। अध्यात्म में भू: स्थूल शरीर के लिए, भुव: सूक्ष्म शरीर के लिए तथा स्व: कारण शरीर के लिए प्रयु त किया गया है। बाहरी जगत और अंतर के तीनों लोकों में ॐ कार अर्थात ईश्वर सर्वव्याह्लश्वत है। व्याहतियों में इसी तथ्य का प्रतियादन है। 'तत्' का अर्थ है वह। 'सवितु' का भावार्थ है- प्रकाश तथा ऊर्जा से ज्ञात तथा वर्चस से ओतप्रोत परमेश्वर।

'वरेण्य:' का भावार्थ है श्रेष्ठ, तेजस्वी, विनाशक, देव। इन चार श दों में परमब्रह्म परमात्मा के उन गुणों का वर्णन है, जो अध्यात्मवादी अपनाने का प्रयत्न करते हैं। भर्ग शब्द तेजस्विता का बोधक है। इस शब्द में प्रतिभा साहसिकता, तत्परता, तन्मयता जैसे तत्वों का समावेश है। भर्ग का एक भाव नष्ट करना भी है। अनैतिकता, अवांछनीयता जैसी दुष्प्रकृतियां अगर मनुष्य को घेरे रहें, तो मनुष्य माया व पतन के गर्त में फंस जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए ऐसी प्रखरता का उद्धव होना चाहिए, जो अंतर के कष्टों तथा भीतर के कल्मषों से छुटकारा दिला सके।

सविता, वरेण्यं, भर्ग के उपरांत चौथी विभूतिमत्रा का नाम है देव। ईश्वर को देव श द से संबोधित करने का मतलब यह है कि हम ईश्वर के परम भक्त बनें तथा उसके देवत्व की विशेषता में अनुगमन करें।

'धीमहि' शब्द का अर्थ है धारण करना। आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनकी धारणा है। ईश्वर दयावान, सदा प्रसन्न चित्त, धैर्यवान, क्षमावान व सदा आनंदित रहने वाले हैं। सुख-दुख से निरलेप हैं। उनके इन्हीं गुणों को धारण करना चाहिए। प्रथम चरण में सविता तथा वरेण्यं की तथा द्वितीय चरण में भर्ग तथा देव की अवधारणा का प्रशिक्षण है। गायत्री के अंतिम तृतीय चरण 'धियों यो न: प्रचोदयात्' के अंतर्गत परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई है कि साधक अकेले नहीं, बल्कि समस्त जन समुदाय में, प्राणिमात्र में 'धी' तत्व की वृद्धि करे। 'न:' हम सबको और 'धिय:' वृद्धियों को कहते हैं, इसमें ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि अपनी अनुग्रह वर्षा करें।

उपासना का उद्देश्य

गायत्री उपासना का उद्देश्य है व्यक्ति में ऐसे तत्व का विकास करना, जिससे उस पर परमात्मा की कृपा हो सके। गायत्री मंत्र के जाप से दैविक व भौतिक साधनों की प्राप्ति होती है। व्यक्ति मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होता है। उपजाऊ भूमि में ही वर्षा के बादलों के अनुग्रह से हरियाली उपजती है। कठोर चट्टानों पर तो एक पत्ता भी नहीं उगता। गायत्री उपासक अपना पूरा ध्यान आत्मपरिष्कार में लगाता है। गायत्री मंत्र के प्रभाव स्वरूप मनुष्य तामसी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर परमपिता परमेश्वर से एकीकार होने के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उपासना की विधि

- स्नानाआदि से निवृत होकर सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करके गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि ते । होती है।
- पुष्प व मीठा नेवेद्य अर्पित करके ऊनी या कुशासन पर बैठकर तुलसी या रूद्राक्ष की माला पर जाप करें।
- गायत्री मंत्र धर्म व अर्थ दोनों की वृद्धि करने वाला है।
- जाप करने से शरीर आरोग्य रहता है। काया के कष्ट मिटते हैं।
- लगातार जाप करने से मोक्ष की प्राह्लिश्वत होती है
- विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। इससे याददाश्त बढ़ती है तथा माता सरस्वती की कृपा से ज्ञान में वृद्धि होती है।

दुख नाशक चौपाइयां

संपदा प्राप्ति के लिए

जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं
सुख संपति नाना विधि पावहि।

आमदनी के लिए

विश्व भरन-पोषन कर जोई
ताकर नाम भरत अस होई

कार्य विघ्न हरण के लए

सकल विघ्न व्यापहिं नाहिं तेही
राम कृपाकर चितवहिं जेही।

संकट नाश के लिए

दीन दयाल विरद संभारी
हरहु नाथ मम संकट भारी

रोग शांति के लिए

दैहिक दैविक भौतिक तापा
राम राज काहु नहिं व्यापा

ग्रह शांति के लिए

नाम प्रभाउ जान सिव नीको
कालकूट फलु दीन अमी को

मनोकामना पूर्ति के लिए

सुनु सिय सत्य असीस हमारी
पूजहिं मनकामना तुम्हारी।

रक्षा कवच के लिए

मामभिरक्षय रघुकुल नायक
घृत वर चाप रुचिर कर सायक।

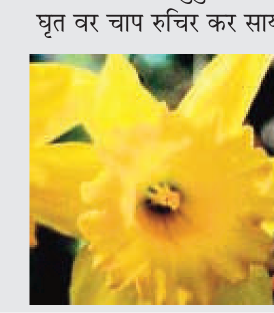

चिली खाने से उग्र होगा मंगल

रसोई अग्नि का स्थान है, मंगल अग्नि का ग्रह है इसलिए मंगल का वास रसोई में होता है। इसके साथ ही मिर्च,मसाला, गैस, कैरोसीन, छुरी, कांटा, स्टील के बर्तन, नमक, सूखे मेवे, प्याज व लहसुन इत्यादि भी मंगल के अधीन हैं।

जिस घर में अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन बनता हो या फिर मिर्च-मसाला अत्याधिक मात्रा में इस्तेमाल होता हो तो इससे यह समझा जा सकता है कि यहां मंगल की उग्रता अधिक है। मंगल को शांत करने के लिए मिर्च-मसाले का भोजन में प्रयोग बहुत ही संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मसाले व तीखे भोजन की वजह से उग्र मंगल अग्निभय, फूड प्वाइजनिंग, जख्म, दुर्घटना इत्यादि तक करा सकता है।

यह तो हुई वास्तु की बात, मगर ज्योतिष में किसी जातक की कुंडली में मंगल की स्थिति देख कर उसे वास्तु संबंधी उपाय बताए जाते हैं और वे उपाय बड़े कारगर होते हैं। उदाहरणार्थ यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल कमजोर है या नीच का है तो उसे रसोई में बैठ कर भोजन करना चाहिए। इससे उसके कमजोर मंगल को ताकत मिलेगी। इससे जातक मंगल से होने वाले नुक्सान से बच सकेगा। मंगलधैर्य, क्रियाशील, रचनात्मक क्षमता और अधिकार देने वाला ग्रह है। यदि रसोई के ठीक बगल में शौचालय है तो यह स्थिति ठीक नहीं है क्योंकि शौचालय में राहु का वास होता है इससे मंगल और राहु एक साथ हो जाते हैं।

राहु और मंगल के साथ होने से फूड प्वाइजनिंग और चोट-चपेट लगने का भय रहता है। एक बात यह भी देखीगई है कि अगर कुंडली में मंगल गड़बड़ स्थिति में हो तो उस जातक के घर के रसोई भी गड़बड़ होती है। गलत रसोई में में बनाया गया भोजन खाने के बाद एसिडिटी और पेट के रोग अधिक होने की आशंका रहती है। रसोई में डस्टबिन की सफाई बहुत जरूरी है। चूंकि कूड़ा राहु के अंतर्गत आता है इसलिए मंगल के स्थान पर राहु की वस्तु रखना टीक नहीं है। समय-मसय पर रसोई से कूड़ा हटाते रहना चाहिए। कभी भी रसोई घर में झाड़ू नहीं रखना चाहिए।

घरों में पत्थर लगाने का चलन बहुत बढ़ गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार ये पत्थर नकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि करते हैं...

घर में पत्थर लगा हो तो...

पत्थर के बने मकान, दीवार या स्टोन पिलर का प्रतिनिधित्व म ंगल ग्रह करता है। शनि और राहु ग्रह मंगल के शत्रु होते हैं। ऐसे में निश्चित समझना चाहिए कि जब शनि दुश्मन बना हुआ हो, तोऐसे मकानों में रहने वाले या उपयोग में लेने वाले सुखी रह ही नहीं सक ते। उसी प्रकार छाया ग्रह राहु भी वहां रहने वालों के लिए शुभ नहीं माना जाता है। यदि ऐसे पत्थरों से बने मकानों में अंधेरा हो, तो वहां भूत-प्रेत निवास करना पसंद करते हैं या यूं कहे कि ऐसे घरों में इतनी ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है कि वहां भूत-प्रेत होने का अहसास होता है। एक बात याद रखनी चाहिए, अगर कोई आदमी वास्तु के अनुसार बने भवन में रहता है, उसके ग्रह निर्बल हों, तो भी उसका जीवन सामान्य ढंग से सुख-शांति से व्यतीत होता है।

पत्थर अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है और मिट्टी बुध का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे में पत्थर अहंकारी बनाता है और मिट्टी धार्मिक पवित्रता प्रदान करती है। वे मकान, जिन्हें पत्थरों को मिट्टी से जोड़कर बनाया जाता है, वहां बुध और मंगल के प्रभाव का मिला-जुला रूप देखने को मिलता है। यदि किसी घर के सामने पत्थर का बना आशियाना हो, तो उस घर में रहने वाला परिवार कभी भी किसी भी तरह तरक्की नहीं कर सकता। उनके बच्चों को पढ़ाई में बहुत विघ्न, बाधाएं आती हैं। यदि पत्थरों से बना आशियाना पुराना, क्षतिग्रस्त या टूटा-फूटा हो, तो उसमें रहने वालों के साथ-साथ आसपास के घरों में रहने वाले भी अभाग्य का शिकार होते हैं।

यदि किसी घर के ठीक सामने कोई बड़ा पत्थर या स्टोन पिलर हो, उस घर का मुखिया लड़ाई-झगड़ा पसंद करने वाला, आगे बढ़कर दुश्मनी मोल लेने वाला होता है। यदि कोई बड़ा पत्थर घर के मुख्यद्वार के एकदम सामने आता हो, ऐसे घर में रहने वाले दंपत्ति के आपसी संबंधी सौहार्दपूर्ण नहीं रहते। किसी घर में बड़ा पत्थर हो या बड़े पत्थर का बना कोई स्लैब हो या घर के सामने छोटी पहाड़ी हो, ऐसी स्थिति में उसका मुखिया उसके बच्चे भय में रहते हैं। कई

वास्तु शास्त्र

मकान बहुत सुंदर बनाए जाते हैं, पर बचत के लिए मकान और चारदीवारी के बीच में पत्थर के स्लैब लगाए जाते हैं। ऐसे घरों में रहने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। व्यवसाय और व्यापार में भी सफलता नहीं मिल पाती।

यदि कोई भवन या उसकी कंपाउंड वाल पत्थरों से बनी हो, तो इस दोष को दूर करने का एकमात्र उपाय है कि उसे सीमेंट या मिट्टी से ढंक देना चाहिए अर्थात प्लास्टर कर देना चाहिए।

उपाय शनि देव के

जन्म कुंडली में यदि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादश शेष हों या द्वितीयेश-सप्तमेश होने के कारण मारकेश हों तो कष्टकारक होते हैं। व्यक्ति को शनि की महादशा, अंतर्दशा या अशुभ गोचरीय परिभ्रमण ढय्या-साढ़ेसाती के समय प्रतिकूल फल देते हैं। इससे बचने के लिए आप इनमें से कोई एक उपाय कर लें। इससे अशुभ फलों में कमी आएगी-

- काले घोड़े की नाल की अंगूठी दायें हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनें या काले कुत्ते को सायंकाल रोटी खिलाने से भी लाभ मिलेगा।
- शनिवार को शनि स्रोत का पाठ करें। शनिवार का व्रत भी रखें तो ज्यादा अच्छा है।
- शनि के वैदिक मंत्र (शन्नौदेवीरभिष्टयादि) या तांत्रिक मंत्र (ऊं प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:) की दो माला प्रतिदिन जपें।
- शनिवार को पीपल के वृक्ष को सींचें, वृक्ष यदि मंदिर परिसर में हो तो ज्यादा अच्छा है।
- हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। हनुमान चालीसा, सुंदरकाण्ड का पाठ या हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाएं। शनिवार या मंगलवार का व्रत कर सकते हैं।
- शनि ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान अपनी सामर्थ्य के अनुसार समय-समय पर करें। (काले तिल, उड़द, कुलथी, खाद्य तेल, क ाला वस्त्र, छात्रा कम्बल, जूते-चप्पल, लोहे की वस्तुएं, स्टील के बर्तन आदि)।
- काले या गहरे नीले रंग के कपड़ों का प्रयोग यथासंभव नहीं करें। शनि की वस्तुओं का दान ग्रहण नहीं करें।
- सूर्य को अर्घ्य दें तथा आदित्य हृदय स्रोत्र का पाठ करें।
- कोई नया कारोबार, जोखिम वाला काम, ज्यादा रकम का इन्वैस्टमेंट आदि नहीं करें।

इसके अतिरिक्त सात्विक आहार-विहार, विनम्र व्यवहार, क्रोध पर नियंत्रण, लोभ-लालच से परहेज, अच्छी संगति, सकारात्मक विचार, परोपकार, शरीर और मन की पवित्रता, ईश्वर भक्ति स्वाध्याय आदि से समस्त ग्रहों के अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं जिनमें शनि भी शामिल है।

आपकी कार का रंग

यदि आप कार खरीदने जा रहे हैं, तो उसके रंग का चयन अपनी शुभता के अनुसार करें। जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पर पड़ने वाले ग्रह योगों से आप अपने वाहन के रंग के बारे में जान सकते हैं।

आपके वाहन का रंग किस प्रकार का होगा, इसका निर्णय करने के लिए चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर जिस ग्रह का प्रभाव हो, उससे संबंधित ग्रह के अनुसार वाहन के रंग का निर्णय करें। यदि सूर्य या मंगल का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर प्रभाव हो, तो लाल रंग का वाहन यदि चंद्रमा एवं शुक्र का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर हो, तो हरे एवं आसमानी रंग का वाहन, यदि गुरु का प्रभाव वाहन से संबंधित भाव एवं भावेश पर हो, तो पीले रंग का वाहन, यदि शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर युति अथवा दृष्टि के द्वारा हो, तो नीले गहरे रंग वाली कार लें। चंद्र एवं शुक्र के प्रभाव के साथ ही अन्य ग्रह का प्रभाव होने पर वाहन का रंग हल्का एवं चमकीला लें।

अंतरदशाओं से ज्वर

ज्वर (बुखार) के कई भेद व उपभेद हैं। यह व्याधि सामान्य होती है, किंतु परिणाम कई बार भयावह हो जाते हैं। सूर्य, चंद्र, बुध व शनि ज्वर के प्रमुख कारक ग्रह हैं। नीच के सूर्य व नीच के ही चंद्रमा की महादशा में या केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा अथवा शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा में बुखार या ज्वर भयानक रूप ले लेता है।

ज्योतिषीय कारण : गुणाकर, वराहाचार्य, श्रीपति आदि ने माना है कि सूर्य, चंद्र एवं बुधशनि प्रधान रूप से ज्वर के कारक ग्रहों में होते हैं। नीचस्थ सूर्य व नीचस्थ चंद्र की महादशा में अथवा केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा या शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा हो तो जातक बुखार से जकड़ जाता है।

कौन सा ज्वर : ज्योतिष का मत है कि लग्नेश व षष्ठेश सूर्य युक्त हो तो जातक को ज्वर का भय होता है। षष्ठ व अष्टम में सूर्य हो या अष्टम में चंद्रमा राहु युक्त हो, अष्टमेश चंद्र या राहु या केतु युक्त हो तो तो चौथिया (चार दिन के अंतराल वाला) ज्वर होता है। लग्न में मंगल व अष्टमेश में सूर्य हो तो दाह ज्वर होता है। चंद्रमा शीत कफ ज्वर, बुध पित्त ज्वर व शनि वात ज्वर के कारक ग्रह हैं।

अनुभूत कारण : निरंतर या आए दिन ज्वर से पीड़ित रहने वाले कई जातकों की कुंडलियों में देखा गया है कि जब उनके राहु में बुध की अंतरदशा चली तो वह बुखार, टाइफाइड व अन्य ज्वरों से लगातार परेशान रहा और आर्थिक तथा घरेलू मुश्किलों से त्रस्त हो गया।

ज्योतिषीय उपचार : जातक की कुंडली व दशा-अंतरदशा पर विचार करने के बाद जिस ग्रह के कारण ज्वर हो रहा हो, उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान और मंत्र जाप आदि करना चाहिए। जातक स्वयं करे तो बेहतर और यदि किसी कारण से स्वयं नहीं कर सके तो घर का अन्य व्यक्ति उसके नाम से दान व मंत्रों का जाप कर सकता है। ज्वर पीड़ित के कक्ष में निरंतर गुग्गुल की धूप और संबंधित ग्रह की मंत्र ध्वनि लाभकारी होती है।

सुंदर के साथ शुभ भी होते हैं निशान

बाएं पैर की पहली और आखिरी उंगली फड़के तो आपको लाभ होगा। दाएं पैर की उन्हीं उंगलियों का फड़कना अशुभ होता है। पांव की पिंडली शनि और बुध नक्षत्र के अधीन आती है। इसके फड़कने से काम में बाधा आती है और यह शत्रु के पैदा होने का संकेत है। दायां घुटना फड़के तो अशुभ और बायां फड़के तो शुभ होता है।

बायां पांव फड़कना : शुभ होता है। दायां पांव फड़कने से मुसीबतों का अंत होता है। बाईं जांघ के फड़कने से दोस्त से सहायता मिलती है, जबकि दाईं जाँघ फड़कने से शत्रु शांत होते हैं। दाएं हाथ का अंगूठा फड़कने से शुभ समाचार मिलता है, जबकि बायां फड़के तो नुक्सान होता है।

शरीर के तिल या मस्से : उनका संबंध शनि व राहु से माना जाता है। शनि धीरे-धीरे फल प्रदान करता है और राहु अचानक ही शुभ या अशुभ फल दे देता है।

दाएं गाल पर तिल : शुभ होता है। ठुड्डी पर तिल प्यार में कमी का सूचक है।

दाई आंख पर तिल : खूब प्यार मिलता है। बाईं आंख पर तिल होने से प्यार में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। भौंहों पर तिल होने से घूमने-फिरने के मौके मिलते हैं। बांह पर तिल होना हमेशा शुभ माना जाता है। गाईं बांह पर तिल हो तो अपार धन मिलता है। बाईं तरफ हो तो धन के साथ-साथ पुत्र की प्राप्ति होती है। होंठ पर तिल व्यक्ति के लालची स्वभाव दर्शाता है।

गले पर तिल : ऐसे जातक की धार्मिक कार्यों में अधिक रूचि होती है। कान पर तिल होने से धन मिलता है। गर्दन पर तिल आलस्य की निशानी है। अंगूठे पर तिल उत्तेजना की निशानी है। ऐसा व्यक्ति स्वभाव से तेज मिजाजा का होता है।

हाई ब्लड प्रेशर बीमारी के लक्षण और निजात पाने के उपाय

कभी ऐसा माना जाता था कि उच्च रक्तचाप केवल बुढ़ापे की बीमारी है, परंतु अब स्थिति तेजी से बदल रही है। 30 साल का युवक भी आज यह कहता सुनाई दे सकता है कि उसे ब्लड प्रेशर है यानी उसका रक्तचाप सामान्य से अधिक है।

शारीरिक क्रिया के दौरान अशुद्ध खून पहले दिल के एक भाग से फेफड़ों में प्रवेश करता हैं, फिर वहां से शुद्ध होकर दिल में वापस आ जाता है। फिर दिल का दूसरा भाग खून को पंप करके उसे शरीर के बाकी हिस्सों में भेजता है। दिल जब खून को पंप करता है तो यह क्रिया एक उचित दबाव के साथ की जाती है। जिससे कि आखिरी छोर पर पहुंचने के बाद भी खून में इतना दाब बना रहा सके कि वह फिर से दिल तक लौट कर आ सके। इस पूरी प्रक्रिया में धमनियों की भित्ति पर जा दाब स्थापित होता है वही रक्तचाप है।

साधारण तौर पर यह दाब 120 होता है जिसे ऊपरी दाब या सिस्टोलिक कहते हैं। दो बार पंपिग करने के बीच में जो समय होता है उतने समय में दिल आराम कर लेता है यह समय करीब आधा सेकंड का होता हैं, इसी दौरान धमनियों पर दाब काफी घट जाता है और लगभग 90 हो जाता हैं, इसे निचला दाब या डायस्टोलिक कहते हैं। यही स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसके बढ़ने का मतलब यह होता है कि दिल पर बोझ पड़ रहा है।

जब तक धमनियां एकदम चिकनी और खुली रहती हैं तब तक खून एक निश्चित और स्थिर दबाव से बहता रहता है। जब तक शरीर की धमनियां व खून की नलिकाएं अपने स्वाभाविक रूप में रहती हैं यानी जब तक ये लचीली रहती हैं, इनके छेद खुले रहते हैं तब तक खून को आगे बढ़ाने के लिए दिल को जरूरत से ज्यादा दबाव डालने की जरूरत नहीं पड़ती और रक्त अपनी स्वाभाविक गति में हृदय से निकलकर धमनियों और खून की नलिकाओं की ओर से शरीर के हर भाग में पहुंचता रहता है। लेकिन जब धमनियां कठोर और संकरी हो जाती हैं तो खून को शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाने के लिए दिल को जरूरत से ज्यादा दबाव डालकर उन संकरी और कठोर धमनियों में खून को धकेलना पड़ता है।

साधारण तौर पर उच्च रक्तचाप का कोई लक्षण नहीं होता और व्यक्ति को काफी समय तक इसका पता ही नहीं चलता है, लेकिन बाद में अनेक लक्षण सामने आने लगते हैं जैसे सिर दर्द, चक्कर आना, शिथिलता, सांस में परेशानी, नींद न आना, जरा सी मेहनत करने पर सांस फूलना, नाक से खून निकलना आदि।

उच्च रक्तचाप का एकमात्र कारण हमारा अनियमित जीवन और हमारे खाने-पीने की आदतों में असावधानी है। खान-पान में संयम न बरतने से कोलेस्ट्रोल (एक प्रकार की वसा) धमनियों की भित्ति पर चिपक जाती है जिससे धमनियां संकरी होने लगती हैं। नतीजतन दिल का खून को पंप करने का बोझ बढ़ जाता है।

अनियमित जीवन तथा खानपान के साथ-साथ और भी कई कारण उच्च रक्तचाप के लिए उत्तरदायी हैं। चिंता, क्रोध, ईर्ष्या भय आदि मानसिक विकार भी उच्च रक्तचाप का कारण होते हैं। बार-बार या जरूरत से अधिक खाना भी उच्च रक्तचाप का कारण हो सकता है। मैदा से बने खाने के पदार्थ, चीनी, मसाले, तेल, घी, आचार, मिठाईयां, मांस, चाय, सिगरेट व शराब आदि का सेवन करने से भी उच्च रक्तचाप की शिकायत हो सकती है। नियमित खाने में रेशे, कच्चे फल, सलाद का अभाव, श्रमहीन जीवन, व्यायाम का अभाव, पेट और पेशाब संबंधी पुरानी बीमारी से भी उच्च रक्तचाप का रोग हमें अपनी गिरफ्त में ले सकता है।

आजकल हम लोग जो भोजन करते हैं वह हमारी सेहत के लिए कतई ठीक नहीं है। बारीक पिसे आटे की रोटियां, पालिश किया हुआ चावल, घी, तेल, मसालेयुक्त सब्जियां, चाय, कॉफी, शीतल पेय, केक, बिस्किट ब्रेड, बरगर, पिज्जा जैसे भोजन आज हमारी आधुनिक जीवन शैली में शामिल हैं। लेकिन यही उच्च रक्तचाप और उससे संबंधित कई बीमारियों की जड़ है। यदि चोकर युक्त मोटे आटे की रोटी, छिलके समेत फल और सब्जियां, पालक, मेथी, बथवा, तुरई, लौकी, पैठा, नींबू आदि को हम अपने रोजाना के भोजन में शामिल कर लें तो हम उच्च रक्तचाप के साथ-साथ अन्य बीमारियों से भी मुक्त रह सकते हैं।

खाने-पीने की अच्छी आदतों के साथ-साथ यदि हम अपनी रोजाना की दिनचर्या पर भी ध्यान दें जैसे रात में जल्दी सोना, सुबह जल्दी उठना, सुबह के समय बिना कुल्ला किए एक लीटर तांबे के बर्तन में रखा पानी पीना, पूरी तरह भूख लगने पर ही खाना, भूख से थोड़ा कम खाना, खाना खाते समय पानी न पीना व दो घंटे के बाद दो गिलास पानी पीना, खाने को अच्छी तरह से चबा कर खाना, दिन में न सोना, शांत-सहज और खुश रहना, रोजाना नियमित रूप से व्यायाम करना, टहलना, दौड़ना आदि में से सारे नहीं तो कुछ को अपने व्यवहार में लाकर भी उच्च रक्तचाप की परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

उच्च रक्तचाप को अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे धमनियों में जमें कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ती है, जिससे धमनियां सख्त हो जाती हैं और उनमें रुकावट आ जाती है। इस स्थिति को एथिरोस्किलरेसिस कहते हैं। इस स्थिति में दिल पर खून पंप करने में ज्यादा जोर पड़ता है और वह कमजोर हो जाता है।

अगर एथिरोस्किलरोसिस दिल को खून सप्लाई करने वाली वाहिनियों में हो जाए तो दिल के उस हिस्से की जिसे वह वाहिनी रक्त की सप्लाई करती हैं, पेशियां मृत हो जाती हैं। इससे पंपिंग की व्यवस्था में गड़बड़ हो जाती है यानी हार्ट अटैक हो जाता है।

जब किसी धमनी में मामूली सी रुकावट हो और जरूरत पड़ने पर उससे अधिक खून पंप करना हो तो मुश्किल हो जाती है। जिस प्रकार श्रम या व्यायाम के समय हृदय पेशियों को ज्यादा खून की सप्लाई की जरूरत होती है जिसके न हो पाने पर सीने में तेज दर्द महसूस होता है। इसे एंजाइना कहा जाता है। यह ज्यादा श्रम या तनाव के कारण होता है। इसे खत्म होने में कुछ मिनटों का समय लगता है और आराम करने पर यह ठीक हो जाता है।

उच्च रक्तचाप के लक्षण सामने आते ही चिकित्सक से मिलना चाहिए व उसकी सलाह (भोजन, श्रम, दवा आदि) का पालन गंभीरता से करना चाहिए। अगर आप सिगरेट, शराब की आदत से पीडति हैं तो इनसे निजात पाने में चिकित्सकों की मदद लेनी चाहिए। दवा की तुलना में खानपान के समय जीवन की दिनचर्या में बदलाव रक्तचाप के इलाज में ज्यादा लाभदायक होता है।

सुझाव

मानव शरीर के बारे में रोचक तथ्य

इन्सानी शरीर दुनिया की सबसे पेचीदा मशीन है। हमारे शरीर के बारे में कई ऐसी बातें हैं, जिनसे हम शायद ही वाकिफ हों। इस शरीर से जुड़े कई ऐसे तथ्य हैं, जो वाकई हैरान करने वाले हैं। आइए इस स्लाइड शो के जरिये इन्सानी शरीर के बारे में कुछ रोचक बातें जानते हैं।

आंखों की कहानी

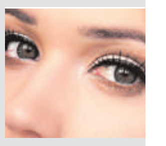

हमारे यह हमारे शरीर का एकमात्र ऐसा अंग है जिसका आकार कभी नहीं बदलता। जन्म से लेकर मृत्यु तक आंख का आकार एक समान रहता है। हालांकि, समय के साथ-साथ इसके लैंस का आकार जरूर मोटा होता जाता है। हमारे कान और नाक मृत्यु पर्यंत बढ़ते रहते हैं।

दिमाग की पेचीदगी

मनुष्यों में मस्तिष्क को पूरी तरह से विकसित होने में करीब 25 वर्ष लगते हैं जबकि फेफड़ों को पूरी तरह से विकसित होने में 18 से 22 वर्ष तक का समय लगता है।

नाखूनों की बात

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि शरीर द्वारा धूप का इस्तेमाल कर विटामिन डी बनाने से बढत तेज हो जाती है।

इतना बुरा नहीं कान का मैल

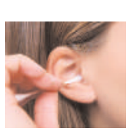

कान का मैल हमारे रक्षा तंत्र के लिए बहुत जरूरी होता है। यह कानों को कई प्रकार के बैक्टीरिया से बचाती है। हालांकि कुछ लोगों को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं होती पर यह हमारे शरीर के लिए फायदेमंद ही होती है।

किडनियों के आकार में होता है अंतर

मनुष्य का दाई किडनी, बाएं किडनी से बड़ी होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बाएं किडनी के पास दिल होता है।

यह सेल है अनोखी

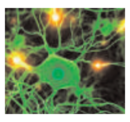

मोटर न्यूरोन्स मनुष्य के शरीर में सबसे लंबी सेल होती है। यह रीड़ की हड्डी से शुरू होकर पैर के टखने तक जाती है और जिसकी लंबाई 4.5 फुट (1.37 मीटर) तक हो सकती है।

जबड़ा होता है सबसे तगड़ा

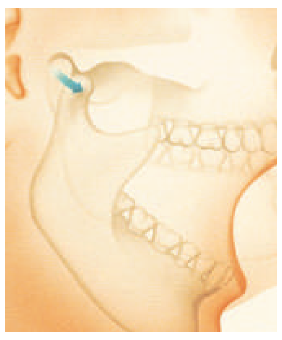

किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर हड्डियां ही सबसे अधिक टूटती हैं, परन्तु जबड़े की हड्डी इतनी मजबूत होती है कि उस पर कोई असर नहीं पड़ता है। यह लगभग 280 किलो वजन भी सहन कर सकती है।

सुझाव

कैंसर से बचाये टमाटर

कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों से बचने के लिए लोग तरह -तरह के उपाय अपनाते हैं। ऐसे में डॉक्टर भी कैंसर से बचाव के लिए सही खान-पान और सब्जियों और फलों को खाने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं खानपान के दौरान कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं । जिनको खाने से आप कैंसर के सेल्स को पनपने से आसानी से रोक सकते हैं। जी हां टमाटर ऐसा ही खाद्य पदार्थ है जिसे ना सिर्फ सलाद के रूप में बल्कि हर सब्जियों में मिक्स करके और जूस के रूप में भी लिया जा सकता है। टमाटर के फायदे कई हैं। इन फायदों में कैंसर से बचाव सबसे प्रमुख लाभ है। आइए जानें कैंसे कैंसर से बचाये टमाटर।

» टमाटर बहुत ही फायदेमंद है, इसे खाकर ना सिर्फ कई गंभीर बीमारियों को पनपने से रोका जा सकता है बल्कि इससे त्वचा में भी निखार लाया जा सकता है।

» जो लोग वजन बढ़ने से परेशान रहते हैं, उनका वजन कम करने में भी टमाटर बहुत लाभदायक है। इन सब फायदों के अलावा टमाटर में कैंसर को रोकने की क्षमता भी पाई जाती है।

» तमाम शोधों में भी ये साबित हो चुका है कि यदि आप नियमित रूप से एक सप्ताह में कम से कम दस बार टमाटर का सेवन करते हैं तो आपमें कैंसर के होने की संभावनाएं लगभग 45 फीसदी घट जाती हैं।

» यदि आप पेट के कैंसर को पनपने से रोकना चाहते हैं तो टमाटर को सलाद में लेना चाहिए। टमाटर को प्रतिदिन सलाद में लेने से आप पेट के कैंसर के होने वाले खतरे का लगभग 60 फीसदी तक रोक सकते हैं।

» तमाम शोधों के परिणामों में निकला है कि टमाटर में लाइकोपीन नामक पदार्थ बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है जो कि विभिन्न प्रकार के कैंसर को रोकने में ना सिर्फ फायदेमंद है । बल्कि इस पदार्थ से कैंसर के पनपने की आशंकाएं भी बहुत हद तक खत्म हो जाती है।

» इतना ही नहीं हरे टमाटर की बजाय लाल टमाटर अधिक फायदेमंद होता है और उसमें फ्राई होने के बाद भी लाइकोपीन को अच्छी तरह से आब्जर्व करने की क्षमता होती है।

» जैसे आम खाद्य पदार्थों को फ्राई करने के बाद उनके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं । लेकिन टमाटर के साथ ऐसा नहीं है। टमाटर को तेल में फ्राई करने के बाद भी पोषक तत्व ज्यों के त्यों रहते हैं।

» गौरतलब है कि कैंसर को कम करने वाले लाइकोपीन तत्व के अलावा टमाटर में नियासिन, विटामिन बी6 पोटैशियम और फॉलेट जैसे उपयुक्त पदार्थ भी मौजूद होते हैं। जिन्हें दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। बेहद जरूरी हैं।

» टमाटर में कैंसर को रोकने के तत्वों के अलावा एंटी एंजिंग कंपाउंड्स जैसे- आईकोपीन व बीटा कैरोटिन की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो कि स्वस्थ रखने में और बीमारियों से बचाने में लाभकारी हैं। गौरतलब है कि बीटा कैरोटिन शरीर में जाकर विटामिन ए में बदल जाता है। जो कि हड्डियों के कैंसर और त्वचा संक्रमण से बचाता है।

» पुरूष यदि प्रतिदिन टमाटर खाएं तो उन्हें प्रोस्टेट कैंसर होने की संभावना कम रहती है। इतना ही नहीं जिन लोगों को ट्यूमर होता है, उनके ट्यूमर को कम करने में और ट्यूमर को बढ़ने से रोकने में भी लाभकारी है।

» जिन लोगों में आनुवांशिक रूप से कैंसर का खतरा होता है । टमाटर उसे खतरे को कम करने में कारगर है।

लेसिक आई सर्जरी के फायदे और नुकसान

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निज़ात पाने के लिए चश्मा पहनते थे। लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या है लेसिक सर्जरी

जो लोग चश्मा पहनते हैं और जिनका पावर -1 से -10 के बीच है, उन्हें तुरंत आंखों की लेसिक सर्जरी करवानी चाहिए। जांच में देख लें कि आपके कॉर्निया की थिकनेस कैसी है। जितनी अधिक थिकनेस होगी इस सर्जरी का फायदा उतना अधिक होगा। साथ ही लेसिक सर्जरी की सबसे अच्छी बात है कि ये अन्य दूसरी सर्जरी की तुलना में ज्यादा आसान और बेहतर है। यह सस्ती होती है और इसमें कॉर्निया को नुकसान पहुंचने का खतरा न के बराबर होता है। जबकि दूसरी सर्जरी में कॉर्निया पर खतरा ज्यादा रहता है।

लेसिक सर्जरी के फायदे

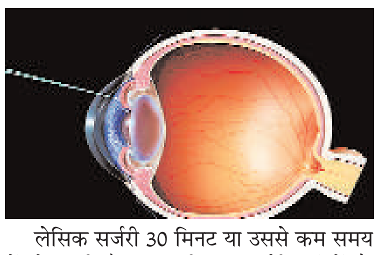

लेसिक सर्जरी 30 मिनट या उससे कम समय में हो जाती है। साथ ही यह सर्जरी आंखों के लिए काफी प्रभावी और कारगार मानी गई है, जिस कारण अधिकतर लोग आंखों के लिए लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं। 92-98त्न लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए लेसिक सर्जरी का ही सहारा लेते हैं, क्योंकि ये आंखों की दृष्टि के लिए काफी फायदेमंद होती है और किसी भी अन्य सर्जरी की तुलना में आसान और किफायती होती है। लेसिक सर्जरी दृष्टि से जुड़ी सभी समस्याओं और खतरों को काफी हद तक दूर कर देती है।

लेसिक सर्जरी के नुकसान

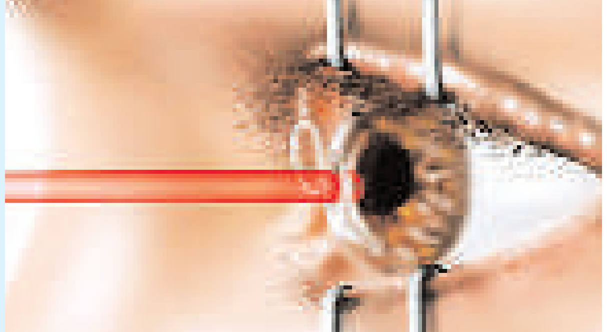

- लेसिक सर्जरी आंखों के सबसे संवेदनशील हिस्से में की जाती है और इसे दोबारा नहीं किया जा सकता है।
- लेसिक सर्जरी के कुछ दिनों के बाद ही लोगों को पढ़ने के लिए तो चश्मे की जरूरत पड़ती ही है।
- सबसे बड़ा खतरा लेसिक सर्जरी का ये है कि, ये आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा नहीं होता। मतलब की इस सर्जरी के दौरान अगर आपकी आंखों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी न डॉक्टर की और न इंश्योरेंस विभाग की होगी।
- आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

HIV को न करें नजरअंदाज, दिखने लगे ये लक्षण तो तुरंत करवाएं जांच

एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जिस वजह से एड्स होता है। भले ही अब इसका इलाज संभव हो चुका है लेकिन इस बीमारी में कुछ सावधानियां बरतने की जरूर होती है। बहुत लोगों को तो इसके शुरूआती संकेतों को अनदेखा कर देते है, जिस वजह से यह बीमारी बढ़ती चली जाती है। इसलिए बेहतर है कि इन लक्षणों को पहचानकर समय पर एचआईवी का इलाज करवाया जाएं। हम आपको इसके साधारण दिखने वाले कुछ लक्षणों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में सभी जानकारी होनी चाहिए।

थकान : कई बार बैठे रहने पर भी थकान महसूस होने लगती है और शरीर में दर्द होने लगता है इस थकान को हल्के में न लें क्योंकि यह एचआईवी का शुरूआती लक्षण होता है जिसे अक्सर लोग अनदेखा कर देते है।

दस्त : अगर एक हफ्ते या इससे ज्यादा समय से पतले दस्त हो रहे हो तो तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं। बहुत से लोग इन्हें मामूली दस्त समझकर कुछ दवाईयों और घरेलू नुस्खा का इस्तेमाल करने लगते है। ऐसा बिल्कुल न करें क्योंकि ऐसे दस्त पर दवाईयां भी कोई असर नहीं कर पाती।

शरीर पर धब्बे : एड्स होने पर मुंह, आंखों के नीचे और नाक पर लाल, नीले और बैगनी रंग के धब्बे पड़ने लगते है, जिनकी शुरूआत चेहरे सो होती है। इन्हे मामूली धब्बे न समझे बल्कि डॉक्टरी जांच करवाएं।

बार-बार बुखार : अगर हर दो दिन बाद बुखार आ जाए तो इसे मामूली बुखार न समझें बल्कि डॉक्टर की सलाह लें क्योंकि यह एच आईवी के लक्षण हो सकते है।

रेसिपी

सोया पुलाव

सामग्री

एक कप बासमती चावल, एक कप सोयाबीन की बड़ी, 1/4 कप मटर के दाने, 1/4 कप गाजर छिली और बारीक कटी हुई, एक प्याज कटा हुआ, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुईं, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 4 लौंग, 4 काली मिर्च,एक दालचीनी का टुकड़ा, एक तेज पत्ता, एक छोटा चम्मच जीरा, स्वादानुसार नमक, तेल या घी, बारीक कटी हरी धनिया पत्तियां

विधि

चावल को साफ करके धो लें. फिर इसे पानी में 20 मिनट के लिए भिगो कर रख दें । सोयाबीन की बड़ियों को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगोएं । फिर बड़ियों को पानी से निकाल 2 से 3 बार धो लें । अब गैस पर पैन में तेल या घी गर्म करें. इसमें जीरा, तेज पत्ता, दालचीनी, काली मिर्च और लौंग का तड़का लगाएं । फिर पैन में प्याज और हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर पकाएं । जब प्याज रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो इसमें गाजर, मटर, हल्दी और नमक डालकर 2 मिनट तक भूनें । अब चावल को पानी से निकालकर पैन में डालें । फिर सोयाबीन की बड़ी डालकर मिक्स करें । इसके बाद पैन में लगभग 3 कप पानी डालकर ढक दें । अब धीमी आंच पर चावल को पकने दें । लगभग 15 मिनट में चावल पक जाएंगे । फिर पैन से ढक्कन हटाकर पुलाव को चलाएं । अब गैस बंद कर दें. तैयार है सोया पुलाव । इसे हरी धनिया पत्तियों से गार्निश करके गर्मागर्म सर्व करें ।

लखनवी पनीर कबाब

सामग्री

1/2 कप सफेद तिल और1/2 कप काले तिल कोटिंग के लिए, 250 ग्राम पनीर, डेढ़ चम्मच लालमिर्च पाउडर, 1 चम्मच गरम मसाला, 1/2 चम्मच कसूरी मेथी व 1/2 चम्मच चाट मसाला,1 कप मैदा, 2 चम्मच सूजी, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

विधि

पनीर को लंबा काट लें। इन्हें एक प्लेट में रखकर चाट मसाला, लालमिर्च, गरम मसाला, अदरक का पेस्ट और कसूरी मेथी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं । अब एक बाउल में मैदा, सूजी, लालमिर्च पाउडर, गरम मसाला, अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक और पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। कढ़ाही में तेल गर्म करें। अब एक प्लेट में थोड़ी सूजी, मैदा, काले और सफेद तिल फैला लें। गाढ़े घोल में पनीर को डिप करें और उस पर तिल वाला मिश्रण लपेटें। पनीर को अच्छी तरह से ब्राउन होने तक तलें। तलने के बाद ऊपर से चाट मसाला छिड़कें और नींबू व प्याज के साथ इसे गर्मागर्म सर्व करें।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

यूपीआई 'मुफ्त' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी जो ढिंढोरा पीट रहे थे और देश की जनता को आश्वस्त कर रहे थे, उसका ढोल फट चुका है और सच सामने है। सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के जरिए ऐलान कराया है कि अब डिजिटल भुगतान (यूपीआई) 'मुफ्त' नहीं होगा, बल्कि प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से आम ग्राहक, आम उपभोक्ता, आम आदमी की जेब कटेगी। अब यह यथार्थ भी सामने आ सकता है कि नकदी लेन-देन की ओर वापसी होने लगे! आम आदमी को यूपीआई लेन-देन की लत लग चुकी थी। उसे यह व्यवस्था आसान और सहज लगती थी। वह औसतन हर भुगतान यूपीआई के जरिए ही करने लगा था। फुटपाथ के पास रेहड़ी-पटरी, चायवाला अथवा टोकरी में फल बेचने वाली निरक्षर-सी महिला 'स्कैन' के जरिए डिजिटल भुगतान स्वीकार करने लगे थे। इसकी लोकप्रियता, व्यापकता का पुख्ता प्रमाण यही है कि यूपीआई से साल भर में 314.23 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन किया गया। यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की संख्या 24,162 करोड़ बताई गई है। यूपीआई के जरिए रोजाना औसतन 66 करोड़ बार लेन-देन होता है। करीब 67 फीसदी भुगतान 2000 रुपए से अधिक का किया गया, बेशक सरकार ऐसा करने वालों की संख्या मात्र 4 फीसदी और 2000 रुपए से कम वाले 96 फीसदी बता रही है। दरअसल इन 4 फीसदी का मूल्य ही 67 फीसदी है। बेशक भारत सरकार की अधिसूचना में उल्लेख है कि व्यक्ति से व्यक्ति अथवा 2000 रुपए तक का लेन-देन करने वालों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। शुल्क वैसे भी दुकानदार, व्यापारी, यानी मर्चेन्ट को भरना होगा, लिहाजा इस शुल्क को 'एमडीआर' का नाम दिया गया है। यह बड़ी हास्यास्पद और बेवकूफ बनाने वाली व्यवस्था है। किराने, दूध-दही का दुकानदार या दवाओं की दुकान अथवा टीवी, फ्रिज, मोबाइल के शोरूम, अंततः, यह 'हर्जाना' क्यों भुगतेंगे? बैंक कितनी निगरानी रख सकते हैं? वे किसी को भुगतान की प्रणाली के लिए बाध्य नहीं कर सकते। एनपीसीआई ने 2000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी और 75,000 रुपए या अधिक के बड़े लेन-देन के लिए, अधिकतम शुल्क 300 रुपए तय किया है। आपको अब रेलवे, टेलीकॉम, बीमा, पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने और कृषि इनपुट सरीखे जरूरी भुगतान पर 5 रुपए (प्रति लेन-देन) शुल्क देना होगा। स्कूल-कॉलेज की फीस 2000 रुपए से अधिक की है, तो उस पर 300 रुपए की फ्लैट दर देनी होगी। आम आदमी पर बोझ कैसे नहीं पड़ेगा, प्रधानमंत्री जी? संभव है कि डिजिटल भुगतान के मद्देनजर जितने लाखों करोड़ रुपए का लेन-देन हो रहा है, उससे टैक्स वसूलने का लालच सरकार ने महसूस किया होगा! यह सवाल भी सामने होना कि यूपीआई के व्यापक, विविध नेटवर्क पर 20,000 करोड़ रुपए सालाना खर्च क्यों किए जाएं? हर साल के बजट में 2000 करोड़ रुपए क्यों तय किए जाएं? क्यों न इसका कुछ बोझ और प्रभार देश की जनता के साथ साझा किया जाए? कारण कुछ भी रहा हो, लेकिन अब मोदी सरकार का 'वैश्विक थाली बजाऊ प्रचार' बेनकाब हो गया है। सरकार की तरफ से कोई स्पष्टीकरण भी नहीं आया है कि आखिर यह 'हर्जाना' थोपने की नौबत क्यों आई? बेशक हमारा यूपीआई लेन-देन 11 अन्य देशों में भी प्रचलित है और 23 अन्य देशों के साथ समझौते विचाराधीन हैं। यह विदेश नीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन चिंता आम भारतीय की होनी चाहिए, जो बहुधा गरीब है, न्यूनतम आय वाला है और राजनीतिक दलों को वोट देकर सत्ता में पहुंचाते हैं। उन पर करों की बहुत मार है। बैंक से एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड पर फीस है। बैंक बैलेंस तय सीमा से कम है, तो चार्ज लगता है। चेकबुक का औसतन एक पन्ना 2-5 रुपए का है। चेक बाउंस होने पर 250-500 रुपए तक का जुर्माना है। यदि बैंक खाता बंद कराना है, तो भी 200 रुपए फीस देनी पड़ती है। आम आदमी औसतन हर वस्तु और सेवा पर परोक्ष रूप से जीएसटी भी देता है। और ऐलानिया कृपा यह है कि आम आदमी पर एमडीआर नहीं लगेगी। न बैंक गरीब हैं और न ही एनपीसीआई घाटे में है। उसके खाते में करीब 1800 करोड़ रुपए का मुनाफा जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए भारत सरकार को दे रखे हैं। आम आदमी को क्यों चूस रहे हो, सरकार जी? बहरहाल इसका पुरजोर विरोध होना चाहिए। भारतीय नागरिकों को मुफ्त में भुगतान करने की सुविधा जारी रहनी चाहिए। सरकार ने मुफ्त में भगतान की सुविधा देकर भारतीय नागरिकों को एक बड़ी सुविधा उपलब्ध करवाई थी, लेकिन अब इसमें फेरबदल करने से असंख्य भारतीयों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के जरिए ऐलान कराया है कि अब डिजिटल भुगतान (यूपीआई) 'मुफ्त' नहीं होगा, बल्कि प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से आम ग्राहक, आम उपभोक्ता, आम आदमी की जेब कटेगी। अब यह यथार्थ भी सामने आ सकता है कि नकदी लेन-देन की ओर वापसी होने लगे! आम आदमी को यूपीआई लेन-देन की लत लग चुकी थी। उसे यह व्यवस्था आसान और सहज लगती थी। वह औसतन हर भुगतान यूपीआई के जरिए ही करने लगा था। फुटपाथ के पास रेहड़ी-पटरी, चायवाला अथवा टोकरी में फल बेचने वाली निरक्षर-सी महिला 'स्कैन' के जरिए डिजिटल भुगतान स्वीकार करने लगे थे। इसकी लोकप्रियता, व्यापकता का पुख्ता प्रमाण यही है कि यूपीआई से साल भर में 314.23 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन किया गया। यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की संख्या 24,162 करोड़ बताई गई है। यूपीआई के जरिए रोजाना औसतन 66 करोड़ बार लेन-देन होता है। करीब 67 फीसदी भुगतान 2000 रुपए से अधिक का किया गया, बेशक सरकार ऐसा करने वालों की संख्या मात्र 4 फीसदी और 2000 रुपए से कम वाले 96 फीसदी बता रही है। दरअसल इन 4 फीसदी का मूल्य ही 67 फीसदी है। बेशक भारत सरकार की अधिसूचना में उल्लेख है कि व्यक्ति से व्यक्ति अथवा 2000 रुपए तक का लेन-देन करने वालों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। शुल्क वैसे भी दुकानदार, व्यापारी, यानी मर्चेन्ट को भरना होगा, लिहाजा इस शुल्क को 'एमडीआर' का नाम दिया गया है।

भुगतान-प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते

शुल्क की आहट और यूपीआई का भविष्य

अंततः अमेरिकी दबाव ने असर दिखाया—यह निष्कर्ष आकर्षक जरूर है, लेकिन 14 सितंबर की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना को समझने के लिए थोड़ी सावधानी जरूरी है। अधिसूचना ने ₹2,000 तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क लगाने से बैंकों और भुगतान-प्रणाली प्रदाताओं को रोक दिया है। परंतु ₹2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर तत्काल कोई उपभोक्ता शुल्क लागू नहीं किया गया है; अधिसूचना ने केवल बड़े लेन-देन पर भविष्य में शुल्क या एमडीआर की संभावना के लिए रास्ता खुला छोड़ा है। फिर भी चिंता वास्तविक है। क्योंकि नीतियों का असर केवल उस शब्द से नहीं समझा जाता जो अधिसूचना में लिखा है; यह भी देखना पड़ता है कि उसके बाद बाजार का व्यवहार किस दिशा में जाता है। आज शुल्क सीधे ग्राहक से न लिया जाए, कल व्यापारी से लिया जाए और परसों व्यापारी उसे वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में जोड़ दे—तो अंततः भार उपभोक्ता पर ही आ सकता है। आर्थिक व्यवस्था में लागत का कोई भी नया तत्व लंबे समय तक अपने मूल स्थान पर नहीं रहता; वह किसी न किसी रूप में कीमत, कमीशन या सेवा-शुल्क बनकर बाजार में फैल सकता है। सरकार का वर्तमान निर्णय यह नहीं कहता कि ₹2,000 से ऊपर का हर यूपीआई भुगतान अब शुल्कयुक्त हो गया है। अधिसूचना का स्पष्ट प्रावधान यह है कि ₹2,000 तक के यूपीआई लेन-देन पर बैंक या भुगतान-प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते। बड़े भुगतान के संबंध में न तो कोई निश्चित दर घोषित की गई है और न ही यह कहा गया है कि आम उपयोगकर्ता को तुरंत अतिरिक्त पैसा देना होगा। लेकिन नीति का संकेत उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका वर्तमान प्रभाव। लंबे समय से यूपीआई पर एमडीआर यानी व्यापारी छूट दर लगाने की चर्चा चलती रही है। एमडीआर वह शुल्क है जो किसी डिजिटल भुगतान को संसाधित करने के लिए व्यापारी या भुगतान-प्रणाली से जुड़े पक्षों के बीच लिया जाता है। यदि भविष्य में ₹2,000 से अधिक के व्यापारी भुगतान पर एमडीआर लगाया गया, तो बैंक, भुगतान अनुप्रयोग और भुगतान-संसाधक अपनी लागत वसूलने का प्रयास कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिकों की आशंका शुरू होती है। सरकार शायद यह तर्क दे सकती है कि छोटे भुगतान गरीब, निम्न-मध्यमवर्गीय और रोजमर्रा के उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहेंगे। यह तर्क अपने आप में समझने योग्य है। चाय, दूध, सब्जी, स्थानीय परिवहन या छोटी दुकान के भुगतान पर शुल्क न लगे, यह डिजिटल समावेशन के लिए महत्वपूर्ण है। मगर प्रश्न यह है कि क्या ₹2,000 की सीमा के ऊपर शुल्क लगाने की व्यवस्था बड़े व्यापार तक सीमित रहेगी? और यदि वह सीमित रहेगी, तो इसकी निगरानी कौन करेगा? यह मान लेना कठिन है कि व्यापारी अतिरिक्त लागत को हमेशा अपने मुनाफे से वहन करेगा। बड़े संगठित कारोबार कुछ समय तक भुगतान-प्रसंस्करण की लागत को सह सकते हैं, पर छोटे व्यापारियों के लिए हर शुल्क मायने रखता है। किराना दुकानदार, ऑनलाइन विक्रेता, निजी शिक्षक, चिकित्सक, मरम्मत-कर्मी और छोटे सेवा-प्रदाता अपनी लागत को किसी न किसी रूप में ग्राहक तक पहुंचा सकते हैं। कल्पना कीजिए कि किसी व्यापारी पर प्रत्येक बड़े यूपीआई भुगतान पर एक प्रतिशत का शुल्क लगता है। वह ग्राहक को कह सकता है कि नकद भुगतान करें, या डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त राशि दें, या वस्तु की कीमत में मामूली वृद्धि कर सकता है। ग्राहक को अलग से शुल्क दिखाई न दे, फिर भी वह बढ़ी हुई कीमत के रूप में भुगतान कर सकता है। इसीलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि शुल्क "प्राप्तकर्ता" देगा। प्राप्तकर्ता भी बाजार का हिस्सा है और बाजार में कोई भी लागत अंततः कीमतों में समायोजित हो सकती है। इससे डिजिटल भुगतान की उस सहजता पर भी असर पड़ सकता है जिसने यूपीआई को भारत के आर्थिक जीवन का सामान्य हिस्सा बना दिया है। आज ग्राहक को यह सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि भुगतान के लिए उसके पास नकद है या कार्ड। मोबाइल और बैंक खाते के सहारे कुछ सेकंड में लेन-देन पूरा हो जाता है। यदि बड़े भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क, असफल लेन-देन, अलग-अलग अनुप्रयोगों की दरें या व्यापारी द्वारा मनमाना अधिभार आने लगे, तो यह भरोसा कमजोर हो सकता है। अमेरिकी कंपनियों और ट्रंप प्रशासन के दबाव का आरोप राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे प्रमाणित तथ्य की तरह प्रस्तुत करने से पहले ठोस दस्तावेज, आधिकारिक बयान और वार्ताओं का सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने होना चाहिए। विदेशी कंपनियों का अपने हितों के लिए सरकारों पर दबाव बनाना असामान्य नहीं है। वैश्विक भुगतान कंपनियां चाहती हैं कि भुगतान बाजार में प्रतिस्पर्धा के नियम उनके अनुकूल हों और घरेलू प्रणालियों पर लगाए गए संरक्षणात्मक प्रावधान धीरे-धीरे कम हों। यह भी सच है कि यूपीआई ने भारत में भुगतान के क्षेत्र में ऐसा मॉडल खड़ा किया है जिसमें उपयोगकर्ता को लगभग शून्य लागत पर त्वरित भुगतान की सुविधा मिली। इस व्यवस्था ने पारंपरिक कार्ड नेटवर्क और विदेशी भुगतान कंपनियों के व्यावसायिक मॉडल को चुनौती दी है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कारोबारी हितों का इस बहस में होना स्वाभाविक है। मगर किसी नीति-निर्णय को केवल "अमेरिका के दबाव" का परिणाम बताने से घरेलू आर्थिक कारणों की चर्चा अधूरी रह जाती है। बैंकों और भुगतान अनुप्रयोगों का तर्क है कि यूपीआई के व्यापक संचालन, साइबर सुरक्षा, तकनीकी ढांचे और ग्राहक-सहायता पर खर्च होता है। दूसरी ओर सरकार ने वर्षों तक यूपीआई को मुफ्त रखकर डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार को प्राथमिकता दी। अब यदि इस व्यवस्था की लागत का प्रश्न उठ रहा है, तो सरकार को पारदर्शी ढंग से बताना चाहिए कि कुल लागत कितनी है, उसका कितना भाग कौन वहन करेगा और शुल्क से प्राप्त धन का उपयोग किस उद्देश्य से होगा। इस मुद्दे पर राष्ट्रवाद का आवरण डालना लोकतांत्रिक बहस को कमजोर करेगा। यदि सरकार ने यह निर्णय किसी विदेशी दबाव में नहीं, बल्कि घरेलू आर्थिक विवशताओं या भुगतान-तंत्र की स्थिरता के लिए लिया है, तो उसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। यदि किसी अंतरराष्ट्रीय बातचीत का प्रभाव पड़ा है, तो संसद और जनता को उसके बारे में जानकारी मिलनी चाहिए। पारदर्शिता राष्ट्रहित के विरुद्ध नहीं होती; वह राष्ट्रहित की पहली शर्त है। सरकार को कम-से-कम चार बातें सुनिश्चित करनी चाहिए—पहली, बड़े यूपीआई भुगतान पर कोई भी शुल्क दर सार्वजनिक और तर्कसंगत हो; दूसरी, छोटे व्यापारियों पर लागत का असंगत बोझ न पड़े; तीसरी, ग्राहक से छिपे हुए अधिभार की अनुमति न हो; और चौथी, भुगतान सेवा प्रदाताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बनी रहे। इसके साथ शिकायत-निवारण और शुल्क-वापसी की स्पष्ट व्यवस्था भी जरूरी है।

आज शुल्क सीधे ग्राहक से न लिया जाए, कल व्यापारी से लिया जाए और परसों व्यापारी उसे वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में जोड़ दे—तो अंततः भार उपभोक्ता पर ही आ सकता है। आर्थिक व्यवस्था में लागत का कोई भी नया तत्व लंबे समय तक अपने मूल स्थान पर नहीं रहता; वह किसी न किसी रूप में कीमत, कमीशन या सेवा-शुल्क बनकर बाजार में फैल सकता है। सरकार का वर्तमान निर्णय यह नहीं कहता कि ₹2,000 से ऊपर का हर यूपीआई भुगतान अब शुल्कयुक्त हो गया है। अधिसूचना का स्पष्ट प्रावधान यह है कि ₹2,000 तक के यूपीआई लेन-देन पर बैंक या भुगतान-प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते।

देश दुनिया से

कॉर्पोरेट जगत में नारी शक्ति का बढ़ता कद

परिवर्तित समय के साथ महिलाओं की भूमिका में भी ख़ासा बदलाव आया है। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली नारी आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसका ज्वलंत प्रमाण कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट है, जिसके अनुसार हाल के वर्षों में कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व और निदेशक मंडलों (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) में महिलाओं की मौजूदगी तेज़ी से बढ़ी है। निजी हों अथवा सरकारी कंपनियां, महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एकल स्वामित्व वाली कंपनियों में भी यह आंकड़ा 28 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप से महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21 प्रतिशत, जबकि निजी कंपनियों में 30 प्रतिशत है। इस बदलाव के पीछे कानूनी अनिवार्यताओं को प्रमुख कारण माना गया है। भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी तथा एक निश्चित टर्नओवर वाली सार्वजनिक कंपनियों के बोर्ड में कम-से-कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी इस प्रावधान को कड़ाई से लागू किया है। इसके साथ ही कंपनियों का नज़रिया बदलना भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बोर्डरूम में विविधता से न केवल सामाजिक सुधार होता है, बल्कि व्यवसाय को भी लाभ पहुंचता है। निवेशकों का दबाव भी इस परिवर्तन का एक उल्लेखनीय पहलू रहा है। आज वैश्विक निवेशक उन कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो ईएसजी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) मानकों का पालन करती हैं। इन मानकों के मूल्यांकन में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है। बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं। महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं। इससे प्रतिभाशाली मानव संसाधन का दायरा भी बढ़ता है, जो कुशल प्रबंधन और बेहतर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होता है। मैकिन्से और क्रेडिट सुइस सहित अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि जिन कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या अधिक होती है, उनका वित्तीय प्रदर्शन अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर रहता है। कॉर्पोरेट बोर्डरूम में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लैंगिक समानता, बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आर्थिक विकास की दिशा में निस्संदेह एक सकारात्मक परिवर्तन है। किंतु भारत में शीर्ष पदों तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। बोर्ड में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने के बावजूद, उच्चतम कार्यकारी पदों पर यह संख्या नाटकीय रूप से घट जाती है। लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, कारोबार के आधार पर शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में केवल नौ महिलाएं ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर कार्यरत हैं। मंत्रालय के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 में ऐसी कोई परिभाषा न होने के कारण वह महिला अध्यक्षों अथवा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखता। ये आंकड़े बोर्ड में प्रतिनिधित्व और सर्वोच्च कार्यकारी पदों पर उपस्थिति के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर करते हैं। वास्तव में, कुछ कंपनियां केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को बोर्ड में शामिल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया से दूर ही रखा जाता है। कई बार पारिवारिक व्यवसायों में परिवार की किसी महिला सदस्य को बिना पर्याप्त कॉर्पोरेट अनुभव के बोर्ड में शामिल कर केवल खानापूर्ति कर दी जाती है। एक अन्य बड़ा कारण हमारा सामाजिक ढांचा भी है, जहां घरेलू दायित्वों का बोझ आज भी मुख्य रूप से महिलाओं पर ही रहता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारतीय महिलाएं पुरुषों की तुलना में घरेलू कार्यों और देखभाल संबंधी गतिविधियों पर कहीं अधिक समय व्यतीत करती हैं। इसका सीधा प्रभाव उनके करियर की निरंतरता तथा वरिष्ठ पदों तक पहुंचने की संभावनाओं पर पड़ता है। मध्यम प्रबंधन स्तर पर करियर ब्रेक या पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ने की स्थिति भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या को सीमित कर देती है। कुल मिलाकर पारिवारिक जिम्मेदारियां, कार्यस्थल पर असुरक्षा, मातृत्व के बाद पुनः कार्यक्षेत्र में वापसी की चुनौतियां तथा पुरुष-प्रधान पेशेवर नेटवर्क जैसी बाधाएं आज भी महिलाओं के करियर विकास में बड़ी रुकावट बनी हुई हैं। बदलाव की यह आहट निस्संदेह सुखद है, किंतु वास्तविक लक्ष्य शीर्ष स्तर पर महिलाओं की हिस्सेदारी को केवल एक अनिवार्य सदस्य तक सीमित रखने के बजाय 30 से 50 प्रतिशत तक पहुंचाना होना चाहिए। यह तभी संभव है जब लैंगिक भेदभाव और सामाजिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर महिलाओं को समुचित अवसर और सहयोग प्रदान किया जाए।

आप का नज़रिया

किशाऊ बांध से आर्थिक स्रोत

हिमाचली अधिकारों का एक पड़ाव उत्तर भारत में प्रदेश हित में इबारत लिख गया। किशाऊ बांध परियोजना के बहाने सामने खड़ी सारी संभावनाएं अगर हिमाचल को सशक्त कर रही हैं, तो यह संघर्ष वर्तमान सुक्खू सरकार को पुरस्कृत कर रहा है। उत्तराखंड-हिमाचल की सीमा पर 422 मेगावाट की इस परियोजना के मार्फत हिमाचल ने पहली बार अपने आर्थिक ताले खोले हैं। पहली बार हिमाचल की जल क्षमता को मोल तय हुआ है। कुल 15624 करोड़ की योजना में हिमाचल पार्टनर तो बना, लेकिन बिना धेला खर्चे यह इससे निकलते लाभों की भागीदारी में सुनिश्चित हुआ। अब सरकार का अनुमान है कि परियोजना के पूर्ण होते ही राज्य को 1200 करोड़ का सीधा मुनाफा मिलेगा। किशाऊ परियोजना के समझौते से बंधे दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र ने इस बहाने पहाड़ के पानी का स्वामित्व तय किया है। यह पर्वतीय पानी की जीत है और इस लिहाज से पिछली सारी परियोजनाओं की समीक्षा का अवसर भी है। जाहिर है हिमाचल सरकार के प्रयास उस मुहाने पर खड़े हैं, जहां आगे चल कर केंद्रीय उपक्रमों द्वारा अर्जित विद्युत उत्पादन में बराबर की हिस्सेदारी तथा शानन परियोजना की मिलकीयत में पूरा हक हासिल होने की संभावना बढ़ी है। जल संसाधन हिमाचल का सामर्थ्य व आर्थिक विश्वास है और इसी नजरिए से हमने किशाऊ बांध परियोजना को अधिकारों का मानक बना दिया। इसी तर्ज पर 68 फीसदी जगह को जंगलात के अधीन करने वाले राज्य को पर्यावरणीय हर्जाना चाहिए। जंगल में हिमाचल के अधिकार और स्वाभिमान छुपा है। विडंबना यह रही कि पहले विशेष दर्जा हासिल यह प्रदेश आरडीजी के तहत अपनी आर्थिक और वित्तीय क्षति की कुछ हद तक पूर्ति करता था, लेकिन अब इस तरह की व्यवस्था से महरूम किया जा चुका है। हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने का पहला दायित्व शांता कुमार ने उस समय पूरा किया था, जब केंद्र से जल विद्युत उत्पादन की स्थिति में राज्य को मुफ्त बिजली का प्रावधान हुआ। यह दूसरा अवसर है जब कोई मुख्यमंत्री हिमाचल के अधिकारों के तर्क पर आत्मनिर्भरता का रास्ता चुन रहा है। हम इसे आर्थिक व्यवस्था परिवर्तन का नारा मान सकते हैं। दरअसल पंजाब पुनर्गठन में तय हुए हिमाचल के अधिकारों को हमने समझा ही नहीं। हम भाखड़ा और पौंग बांध की वकालत में अपना पक्ष सुदृढ़ कर पाते, तो आज तस्वीर अलग होती। पौंग बांध से तो हमने न विद्युत और न ही पानी के अधिकार हासिल किए। पहली बार पूर्व मंत्री डाक्टर राजन सुशांत ने शाह नहर के लिए आंदोलन किया, तो पता चला कि इसी रास्ते से निकलेंगे हमारे अधिकार। हम शालीनता से विद्युत जनरेशन टैक्स या वाटर सैस की रूपरेखा बनाते रहे, लेकिन उत्तर भारत की प्रादेशिक सियासी रचना इनके विरोध में रही। प्रदेश की अपनी राजनीति भी पंजाब के पर्वतीय क्षेत्रों के मिलन को हेय दृष्टि से देखती-देखती, सेब और गलगल या ऊपरी और निचले इलाकों को अलग करती रही। अब हिमाचल की संपूर्णता में तमाम नदियां, प्राकृतिक संसाधन और मानव उपलब्धियां प्रदेश की आत्मनिर्भरता को जंजीरों से मुक्त कर रही हैं, तो किशाऊ बांध की वित्तीय रूपरेखा में यह जद्दोजहद फलदायक सिद्ध हुई है। इस परियोजना में हमारे अधिकारों की बहाली हुई है, तो ये तर्क आने वाले समय हमारे खजाने को और मजबूत कर पाएंगे।

तर भारत में प्रदेश हित में इबारत लिख गया। किशाऊ बांध परियोजना के बहाने सामने खड़ी सारी संभावनाएं अगर हिमाचल को सशक्त कर रही हैं, तो यह संघर्ष वर्तमान सुक्खू सरकार को पुरस्कृत कर रहा है। उत्तराखंड-हिमाचल की सीमा पर 422 मेगावाट की इस परियोजना के मार्फत हिमाचल ने पहली बार अपने आर्थिक ताले खोले हैं। पहली बार हिमाचल की जल क्षमता को मोल तय हुआ है। कुल 15624 करोड़ की योजना में हिमाचल पार्टनर तो बना, लेकिन बिना धेला खर्चे यह इससे निकलते लाभों की भागीदारी में सुनिश्चित हुआ। अब सरकार का अनुमान है कि परियोजना के पूर्ण होते ही राज्य को 1200 करोड़ का सीधा मुनाफा मिलेगा। किशाऊ परियोजना के समझौते से बंधे दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र ने इस बहाने पहाड़ के पानी का स्वामित्व तय किया है। यह पर्वतीय पानी की जीत है और इस लिहाज से पिछली सारी परियोजनाओं की समीक्षा का अवसर भी है। जाहिर है हिमाचल सरकार के प्रयास उस मुहाने पर खड़े हैं, जहां आगे चल कर केंद्रीय उपक्रमों द्वारा अर्जित विद्युत उत्पादन में बराबर की हिस्सेदारी तथा शानन परियोजना की मिलकीयत में पूरा हक हासिल होने की संभावना बढ़ी है। जल संसाधन हिमाचल का सामर्थ्य व आर्थिक विश्वास है और इसी नजरिए से हमने किशाऊ बांध परियोजना को अधिकारों का मानक बना दिया। इसी तर्ज पर 68 फीसदी जगह को जंगलात के अधीन करने वाले राज्य को पर्यावरणीय हर्जाना चाहिए। जंगल में हिमाचल के अधिकार और स्वाभिमान छुपा है।

कुछ अलग

जीत से बड़ी हार

आज से 50-60 साल पहले कुछ मासिक पत्रिकाएं थीं, जैसे 'सत्यकथा', 'मनोहर कहानियां' और 'सच्ची दुनिया'। हम लोग स्कूल में थे और किताबों-पत्रिकाओं की दुकानों पर ये भी डिस्प्ले की हुई होती थीं। इनको पढ़ना ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता था। लेकिन दसवीं या उसके बाद की कक्षाओं में पहुंचते-पहुंचते इनकी एकाध कहानी पढ़ ही लेते थे। मेरे बड़े मामा को इस तरह की जासूसी और जुर्म की पत्रिकाएं पढ़ने का बड़ा चस्का था। मेरी मां उनको कई बार टोका भी करती थीं। खैर, मामा की आदत जैसी थी, वैसी ही बरकरार रही। वह अंग्रेजी की 'कारवां', 'रीडर्स डाइजेस्ट' और 'इंडिया टुडे' जैसी पत्रिकाएं भी खूब पढ़ते थे। मुझे कभी यह 'सत्यकथा', 'मनोहर कहानियां', 'सच्ची दुनिया' आदि पढ़कर अच्छा नहीं लगा। आजकल जिस तरह की खबरें रोजाना देखने-पढ़ने को मिल रही हैं, उससे यही लगता है कि इस दौर में तो वे पत्रिकाएं भी बहुत पीछे रह गई हैं।

दृष्टि कोण

पहाड़ के पानी से हमें कितना लाभ मिलेगा?

नदियां किसी भी प्रदेश के लिए मात्र जल का स्रोत नहीं होतीं, वे उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक जीवन की रीढ़ होती हैं। हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में यह महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यहां की जलधाराएं देश की ऊर्जा एवं जल आवश्यकताओं में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं। ऐसे में टौंस नदी पर प्रस्तावित किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना को केवल एक बांध या बिजली परियोजना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं। यह परियोजना हिमाचल के प्राकृतिक संसाधनों, आर्थिक हितों, पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के भविष्य से गहराई से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर 2026 को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के बीच किशाऊ परियोजना को लेकर समझौता हुआ। वर्षों से विभिन्न कारणों से अटकी यह परियोजना अब आगे बढने की स्थिति में है। वर्तमान योजना के अनुसार लगभग 15624 करोड़ रुपए की लागत से 422 मेगावाट क्षमता की परियोजना विकसित की जानी है। इसमें लगभग 1562 मिलियन घन मीटर जल भंडारण की व्यवस्था होगी। परियोजना से लगभग 97 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने तथा करीब 1476 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का अनुमान है। किशाऊ परियोजना से हिमाचल को मिलने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण प्रत्यक्ष लाभ बिजली और उससे जुड़ा आर्थिक प्रतिफल है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अनुसार परियोजना के चालू होने के बाद हिमाचल को लगभग 1200 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। हिमाचल को परियोजना से

211 मेगावाट बिजली का हिस्सा मिलने की बात कही गई है और इस हिस्से की लागत राज्य पर नहीं डालने की व्यवस्था की गई है। हिमाचल जैसे सीमित वित्तीय संसाधनों वाले राज्य के लिए यह व्यवस्था विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। प्रदेश की नदियां लंबे समय से जल विद्युत उत्पादन का आधार रही हैं, परंतु बड़े बांधों और विद्युत परियोजनाओं में भारी पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर भूमि, पर्यावरण और पुनर्वास की लागत भी सामने आती है। यदि किशाऊ परियोजना में हिमाचल को बिजली तथा उससे मिलने वाला आर्थिक लाभ प्राप्त होता है, जबकि विद्युत घटक की बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी अन्य लाभार्थी राज्यों द्वारा वहन की जाती है, तो इससे राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव कम हो सकता है। किशाऊ परियोजना के पीछे वर्षों का अंतरराज्यीय संवाद है। हिमाचल और उत्तराखंड के बीच परियोजना के विकास के लिए 2015 में समझौता हुआ था तथा 2017 में किशाऊ कॉरपोरेशन लिमिटेड का गठन किया गया। परियोजना की क्षमता और डिजाइन में समय के साथ परिवर्तन हुए। पुराने परियोजना विवरणों में 660 मेगावाट क्षमता का प्रस्ताव था, जबकि वर्तमान समझौते में 422 मेगावाट क्षमता का उल्लेख है। इससे स्पष्ट है कि किशाऊ का स्वरूप समय के साथ बदलता रहा है और इसके साथ लागत, लाभ तथा राज्यों की जिम्मेदारियों की व्यवस्था भी पुनर्गठित होती रही है। परियोजना को लेकर सबसे बड़ा विवाद यही रहा कि इसकी लागत का भार किस राज्य पर कितना पड़ेगा और पानी तथा बिजली का लाभ किस अनुपात में मिलेगा। जून 2026 में केंद्र सरकार की मध्यस्थता में हुई सहमति के अनुसार जल घटक की लगभग 90 प्रतिशत लागत केंद्र सरकार केंद्रीय सहायता के रूप में वहन करेगी, जबकि शेष लागत भागीदार राज्यों द्वारा साझा की जाएगी। इसी प्रक्रिया में हिमाचल के हिस्से के पानी को दिल्ली और राजस्थान को उपलब्ध कराने के बदले उसके विद्युत घटक की लागत को लाभार्थी राज्यों द्वारा वहन करने की व्यवस्था सामने आई।

शुभमन की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार है भारतीय टीम

केएल राहुल को उपकप्तानी की जिम्मेदारी

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी और केएल राहुल की उपकप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेगी। वहीं इससे पहले बीसीसीआई चयन समिति (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है। उसमें अनुभवी और युवाओं दोनो को ही जगह मिली है।

इस सीरीज में मध्यक्रम की जिम्मेदारी बल्लेबाज केएल राहुल के कंधों पर होगा। इसका कारण है कि एकदिवसीय प्रारुप में राहुल का रिकार्ड बेहद शानदार रहा है; अब तक खेले गए मुकाबलों में उनके बल्ले से करीब पचास से अधिक की औसत से रन निकले हैं, जिसमें 7 शतक और 25 से अधिक अर्धशतक शामिल हैं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने चार और पांच नंबर पर भारतीय टीम को जबरदस्त मजबूती दी है। इस सीरीज में उन पर केवल रन बनाने की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि शुभमन के साथ मिलकर टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाने और युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की भूमिका भी रहेगी। विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में भी राहुल पहली पसंद बने रहेंगे, जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बैक-अप विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

टीम के स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या को फिटनेस कारणों से शामिल नहीं किया गया है। राष्ट्रीय चयन समिति ने साफ कर दिया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में सीधे एंट्री नहीं मिलेगी। हार्दिक पंड्या को भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए पहले भारत ए के लिए खेलकर अपनी मैच-फिटनेस साबित करनी होगी। चयनकर्ताओं का नियम स्पष्ट है कि हार्दिक को एक मैच में कम से कम 10 ओवर गेंदबाजी करके अपनी फिटनेस का प्रमाण देना होगा, जिसके बाद ही एकदिवसीय टीम में उनकी वापसी पर विचार किया जाएगा। हार्दिक के अलावा स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अलग-अलग कारणों से इस वनडे सीरीज से बाहर रहे हैं, जिससे भारतीय वनडे आलराउंडर विभाग में रवींद्र जडेजा और युवा नितीश कुमार रेड्डी पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की मौजूदगी भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूती प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

मेसी के गोल और असिस्ट से इंटर मियामी ने कैम्पेओनेस कप का खिताब जीता

मियामी। लियोनेल मेसी के गोल और असिस्ट की बदौलत इंटर मियामी ने क्रूज अजुल को 2-0 से हराकर पहली बार कैम्पेओनेस कप का खिताब जीत लिया। यह मुकाबला मेजर लीग साकर और मैक्सिकन लीगा एमएक्स के चैंपियन के बीच खेला जाता है। इंटर मियामी के लिए यह कैम्पेओनेस कप में पहली खिताबी जीत है। वहीं, टीम के नए मुख्य कोच क्रिस्टियन किली गोंजालेज के कार्यकाल का भी यह पहला मुकाबला था। मेसी ने बेहतरीन हेडर के जरिए इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। छोटे कद के अर्जेंटीनी स्टार ने लुइस सुआरेज के क्रास पर विलर डिट्टा के ऊपर छलांग लगाकर शानदार हेडर से गेंद को गोल में पहुंचाया। मेसी ने इसके बाद खुद दूसरा गोल करने की कोशिश की। सुआरेज के पास पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने गेंद को गोल में डाल दिया, लेकिन उन्हें आफसाइड करार दिया गया। हालांकि, मेसी ने कुछ ही देर बाद दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कार्नर से शानदार गेंद भेजी, जिस पर कासेमिरो ने हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। यह कैम्पेओनेस कप का आठवां संस्करण था और इसकी मेजबानी हमेशा मेजर लीग साकर की टीम करती है। इंटर मियामी की जीत से पहले पिछले तीन संस्करणों में मैक्सिको की टीमों ने खिताब जीता था। मैक्सिको की दिग्गज टीम क्रूज अजुल अब तक कैम्पेओनेस कप का खिताब नहीं जीत सकी है। टीम को 2021 के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की कप्तान निगर सुल्ताना ने इस्तीफा दिया

ढ़ाका। बांग्लादेश महिला क्रिकेट की टी20 कप्तान निगर सुल्ताना ने अचानक ही अपने पद से अचानक

ही इस्तीफा दे दिया। सुल्ताना के इस अप्रत्याशित फैसले से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी हैंरान है। सुल्ताना साल 2022 से ही टीम की कप्तानी कर रहीं थीं। माना जा रहा है हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप में टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्होंने ये कदम उठाया है। बोर्ड के अधिकारियों को सुल्ताना के इस फैसले का अंदेशा नहीं था। इससे उनके अचानक कप्तानी छोड़ने के पीछे के कारणों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। बांग्लादेश महिला विंग के चेयरमैन रफिकुल इस्लाम बाबू ने कहा कि उन्हें सुल्ताना का संदेश ईमेल के जरिए प्राप्त हुआ है। बाबू ने अपनी हैरानी व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में नहीं जानता कि उन्होंने अचानक कप्तानी छोड़ने का निर्णय क्यों किया। उन्होंने आगे बताया कि बांग्लादेश टीम के एशियाई खेलोंसे लौटने के बाद ही इस मामले पर भविष्य का कोई फैसला लिया जाएगा। हालांकि, रफिकुल इस्लाम बाबू ने सुल्ताना के फैसले के पीछे के कुछ संभावित कारणों का खुलासा भी किया।

नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन में खेलने की पुष्टि की, 11 साल बाद बीजिंग लौटेंगे

बीजिंग। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की

पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। 39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने कहा, मैं आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में वापस आकर खेलने के लिए उत्साहित हूं। यह टेनिस की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। मेरे करियर में इस स्थान से जुड़ी कई शानदार यादें और बड़ी सफलताएं रही हैं। जोकोविच के लिए यह टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वापसी का मौका होगा। उन्हें अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मारियानो नवोने के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वह आठ साल में पहली बार एटीपी की शीर्ष-10 रैंकिंग से बाहर हो गए थे।

विजय रथ पर सवार टीम इंडिया, अफगानिस्तान का भी किया सूपड़ा साफ

3-0 से जीती टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज

नई दिल्ली।

भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया तीसरा और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरी तरह एकतरफा रहा। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 127 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अफगानिस्तान का 3-0 से सफाया करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

अभिषेक शर्मा का ऐतिहासिक शतक, भारत ने बनाए 221 रन

भारतीय टीम की इस धमाकेदार जीत की नींव पहली पारी में ही पड़ गई थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 30 गेंदों में शतक पूरा किया और 34 गेंदों पर 108 रनों की तूफानी पारी खेली। अभिषेक के शतक और संजू सैमसन के 50 रनों की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 221 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। पहली पारी के अंत तक ही भारतीय टीम ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी।

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिखरी अफगान टीम

222 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम शुरू से ही दबाव में नजर आई। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए अफगान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई मौका नहीं दिया। अफगानिस्तान की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही और उसकी पूरी बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पूरी टीम महज 94 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारतीय गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के आगे अफगान टीम पूरी तरह बेबस नजर आई और भारत ने 127 रनों की विशाल जीत दर्ज कर सीरीज का शानदार अंत किया।

विजय रथ पर सवार टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट टीम इस सीरीज में जीत के साथ अपने विजय अभियान को जारी रखने में सफल रही। इससे पहले टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को भी 3-0 से हराकर सीरीज अपने नाम की थी और अब अफगानिस्तान के खिलाफ भी इसी अंतर से जीत दर्ज की है। उस सीरीज में भी टीम इंडिया की कप्तानी श्रेयस अय्यर ने की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में लगातार जीत के साथ श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत के नाम लगातार छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में जीत दर्ज हो गई है।

बल्ले से तूफान, जश्न में शांति; अभिषेक शर्मा ने अनोखे अंदाज में मनाया शतक

अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपने बल्ले से तूफान मचा दिया।

अभिषेक ने महज 30 गेंदों में अपना शतक पूरा करते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में बनाए गए शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके अलावा उन्होंने पूर्ण सदस्य देशों के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

खास अंदाज में मनाया जश्न

मैदान पर अफगान गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने वाले अभिषेक शर्मा का जश्न बिल्कुल शांत और अलग अंदाज में था। 30वीं गेंद पर एक रन लेकर शतक पूरा करने के बाद अभिषेक ने अपने दस्ताने, हेलमेट और बल्ला मैदान पर रखा और पिच पर ही पद्मासन की मुद्रा में बैठकर ध्यान लगाने जैसा शांत अंदाज अपनाया। उनका यह अनूठा जश्न सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में आ गया। अभिषेक अपनी आंधी जैसी पारी में 34 गेंदों पर 108 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 11 गगनचुंबी छक्के और 9 चौके शामिल रहे।

संजू सैमसन के साथ मिलकर पावरप्ले में रचा इतिहास

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत की। पहले ओवर में महज 5 रन आने के बाद अभिषेक ने आक्रामक रुख अपना लिया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की तूफानी जोड़ी की बदौलत भारत ने शुरुआती छह ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए 100 रन बना डाले। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का पावरप्ले में सबसे बड़ा स्कोर रहा। सीरीज में 2-0 से आगे चल रही भारतीय टीम ने इस विशाल स्कोर के दम पर अफगानिस्तान को तीसरे मुकाबले में भी शिकस्त देकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप पूरा किया।

निशानेबाज अनीश को एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अनीश भानवाला को 19 सितंबर से जापान में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपने बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय खेल प्रतियोगिता के पिछले दो संस्करणों में मिले अनुभव के बाद, वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। अनीश ने साल 2018 के एशियाई खेलों के टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। अनीश ने कहा कि यह मेरे लगातार तीसरे एशियाई खेल होंगे, और उन सभी अनुभवों के साथ, मैं इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अनीश ने कहा कि हालांकि वह अभी 24 साल के हैं, लेकिन अभी उनका खेल जीवन काफी लंबा है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों ट्रेनिंग कैंप पूरे हो चुके हैं और सब कुछ तैयार है। वहीं शूटिंग के दिग्गज और कई बार कामनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले निशानेबाज जसपाल राण पर लिखी किताब को लेकर उन्होंने कहा कि जसपाल की किताब मैवरिक जसपाल का लान्च एक बहुत ही भावुक पल था। यह किताब निश्चित रूप से उनके सफर और उनकी विरासत को सामने लाती है। मुझे यकीन है कि इससे देश के युवा खिलाड़ियों और आने वाले सभी एथलीट्स को बहुत प्रेरणा मिलेगी।

डब्ल्यूसीपीएल में खेलने से भारतीय महिला क्रिकेटरों को मिलेगा बड़ा अनुभव: झूलन गोस्वामी

बारबाडोस

भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलना विदेशी परिस्थितियों को समझने और अपने खेल को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अनुभव है। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम की मुख्य कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा कि घरेलू माहौल से बाहर निकलकर अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

डब्ल्यूसीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जेमिमा रोड्रिग्स पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेल चुकी हैं, जबकि यास्तिका भाटिया इस सत्र में टीम का हिस्सा हैं। शिखा पांडे भी कई वर्षों से टीम के साथ जुड़ी हुई हैं। झूलन ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर जब आप अपने सहज माहौल से बाहर निकलकर खेलते हैं तो आपको बहुत अनुभव मिलता है। निश्चित रूप से यह भविष्य में आपकी मदद करता है। यही वजह है कि जब भी भारतीय लड़कियों को इस तरह का अवसर मिलता है तो वे यहां आकर खेलना पसंद करती हैं।

उन्होंने कहा, आखिरकार आप अच्छी गुणवत्ता वाली और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे होते हैं। डब्ल्यूसीपीएल लगातार बढ़ रही है। इस साल हमने एक और टीम जोड़ी है, इसलिए पूरे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा महसूस की जा सकती है। झूलन ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के लिए कैरेबियाई परिस्थितियों में खेलना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां उन्हें कई काम खुद करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, हमारी लड़कियों के लिए यह अच्छी बात है कि वे अपने सहज माहौल से बाहर निकलकर इस तरह के टूर्नामेंट में खेल रही हैं। भारत में जब भी आप कुछ मांगते हैं तो बहुत सी चीजें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन यहां आपको खुद बहुत कुछ करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह हमारी लड़कियों के लिए अच्छी बात है। जब वे यहां आकर यह अनुभव हासिल करती हैं तो भविष्य में बहुत अच्छे निर्णय लेने वाली खिलाड़ी बन सकती हैं। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम ने डब्ल्यूसीपीएल के उद्घाटन संस्करण में 2022 में खिताब जीता था। टीम अब 2026 संस्करण के फाइनल में गुयाना अमेजन वारियर्स महिला टीम का सामना करेगी। फाइनल केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग से लिया संन्यास, अब कोचिंग करियर पर देंगे ध्यान

होबार्ट

आस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह अब अपना पूरा ध्यान कोचिंग करियर पर लगाएंगे। वेड फिलहाल आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सीमित ओवरों के बल्लेबाजी कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं।

वेड पिछले साल भी आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के साथ सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे और इसी दौरान होबार्ट हरिकेंस के लिए बिग बैश लीग में खेलते रहे। हालांकि, उन्होंने 2026-27 सत्र से पहले पूरी तरह से खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट से हटने का फैसला किया है।

वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब बिग बैश लीग से विदाई के साथ उन्होंने इस प्रतियोगिता के इतिहास में अपनी जगह बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में करियर समाप्त किया है।

वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था, जहां उन्होंने महान स्पिनर शेन वार्न के साथ खेला। उन्होंने स्टार्स के लिए 16 और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 13 मैच खेले। इसके बाद वह अपने गृह राज्य तस्मानिया लौटे और होबार्ट हरिकेंस के लिए 90 मुकाबलों में मैदान पर उतरे।

बिग बैश लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वेड नौवें स्थान पर हैं, जबकि विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने वाले खिलाड़ियों में वह पांचवें स्थान पर हैं। हरिकेंस के लिए बेन मैकडरमाट और डीआर्सी शार्ट ने उनसे अधिक रन बनाए हैं, लेकिन टीम के लिए वेड के करियर के सर्वश्रेष्ठ 130 रन नाबाद से बड़ी पारी किसी अन्य बल्लेबाज ने नहीं खेली है।

वेड हरिकेंस की पहली बिग बैश लीग खिताबी जीत में भी अहम भूमिका में रहे थे। टीम ने 2024-25 सत्र में पहली बार प्रतियोगिता का खिताब जीता था।

हरिकेंस के कोच जेफ वान ने एक आधिकारिक बयान में कहा, वेडी उन क्रिकेटरों में से हैं, जिन्हें आप हमेशा अपनी टीम में चाहते थे। वह जब भी मैदान पर उतरते थे, पूरी ताकत से मुकाबला करते थे और बहुत तेजी से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे।

उन्होंने कहा, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों को भी बहुत कुछ दिया। उनका क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और वह हमेशा अपना ज्ञान साझा करने तथा अपने साथियों को बेहतर बनने के लिए चुनौती देने के लिए तैयार रहते थे।

वान ने कहा, हमारी प्रणाली में ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैट के साथ खेलने से फायदा हुआ है और मुझे लगता है कि यह यहां उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

हरिकेंस की हाई परफार्मेंस मैनेजर सैलिअन बीम्स ने भी वेड के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, मैथ्यू लंबे समय से हरिकेंस और तस्मानियाई क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति रहे हैं। उनका रिकार्ड खुद बहुत कुछ कहता है, लेकिन आंकड़ों में हमेशा वह प्रभाव नजर नहीं आता जो उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों और लोगों पर डाला।

उन्होंने कहा, वह एक शानदार प्रतिस्पर्धी, लीडर और ऊंचे मानक तय करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। खेल के सर्वोच्च स्तर पर उनका अनुभव हमारे खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान रहा है। बीम्स ने कहा, मैट ने हरिकेंस को बहुत कुछ दिया है और क्लब के लिए उनके योगदान के लिए हम बेहद आभारी हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जरूरतमंदों में भोजन वितरित

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना की ओर से जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को भोजन परोसा गया।

स्कूल फॉर द ब्लाइंड तथा अफजलगंज गुरुद्वारा एवं मस्जिद के आसपास जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। आयोजन के माध्यम से सेवा, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। इस पहल में लोगों ने एक साथ आकर जरूरतमंदों के साथ भोजन साझा किया और मानवता एवं दया की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह के साथ हरप्रीत सिंह गुलाटी, रजनीश जैन, गजनी जी, गुरचरण सिंह, अवाइस मिर्जा, रिदा कुद्दूस, फरनाज, नसीर, समी खान, रहमूतुल्ला, दिनेश, सुमीत, रंजीत सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

जैन आराधना भवन में अठाई तपस्वियों का बहुमान

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन रत्न रमेश पी. तातेड की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जैन आराधना भवन, रसूलपुरा में अठाई तपस्या करने वाले हर्ष भंडारी, मेघा भंडारी एवं स्पर्श भंडारी का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ बहुमान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

भंडारी परिवार की ओर से रोहिणी देवी–प्रकाशमल भंडारी, ज्योत्सना–अविनाश भंडारी, प्राप्ति–विक्रम भंडारी, देविका–विशाल भंडारी एवं समस्त भंडारी परिवार, लालवानी परिवार, कमलादेवी–बाबूलालजी संकलेचा (रासोनी परिवार), रमेश पी. तातेड सिरोही परिवार तथा सभी गणमान्य सदस्यों द्वारा तपस्वियों का बहुमान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी समाजजनों के लिए स्नेहपूर्वक भोजन की व्यवस्था भी की गई।इसी अवसर पर आशीर्वाद प्रदान करने के लिए श्री तीर्थसुंदरविजयजी म.सा. आदि ठाणा का रसूलपुरा में आगमन हुआ।

उनके सान्निध्य में धार्मिक वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रीतिन परमार के खीर समुद्र तप का पारणा भी संपन्न हुआ। वहीं, सकल संघ की नवकारसी का लाभ लीलाबेन बाबूलालजी परमार, मीना–मनीष एवं सोनल–प्रीतिन ने लिया।

हैदराबाद मुक्ति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी 'वंदे मातरम' रामचंद्र राव को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मुक्ति दिवस के पावन अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री 'वंदे मातरम' रामचंद्र राव के अमूल्य योगदान और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर 1948 को ही हैदराबाद भारतीय संघ का अभिन्न अंग बना था।

इस ऐतिहासिक दिवस के अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार जी ने स्वर्गीय 'वंदे मातरम' रामचंद्र राव के सुपुत्र श्री आदित्य जी और उनके परिवार के सदस्यों के साथ विशेष मुलाकात की। 78वें हैदराबाद मुक्ति दिवस के इस विशेष अवसर पर हैदराबाद को भारत में एकीकृत करने और स्वतंत्रता की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी शूरवीरों व स्वतंत्रता सेनानियों के अभूतपूर्व त्याग को आदरपूर्वक नमन किया गया।इस गरिमामयी अवसर पर भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री उमा महेंद्र जी, लाल सिंह जी, श्रीराम व्यास जी, सुरेंद्र जी, नटराज नामधारी जी, विपिन जी, आला पुरुषोत्तम जी, राहुल जी, सुरेश जोशी जी, जयपाल सिंह जी, रामू जी, श्रीकांत जी, महेश मयाद्री जी, अमरदीप सिंह जी, विष्णु वणकर जी, रोहित जोहरी जी, कुणाल जी, सुमन जी, कैलाश जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'राजाधिराज यात्रा – कृष्ण लीला आपके द्वार' का आयोजन 2 अक्टूबर से

शिल्पकला वेदिका में मंचित होगा भगवान श्री कृष्ण की अमर गाथाओं और लीलाओं को समर्पित भव्य नाट्य मंचन

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धनराज नाथवाणी की परिकल्पना से सजे भव्य नाट्य मंचन 'राजाधिराज यात्रा – कृष्ण लीला आपके द्वार' के हैदराबाद संस्करण का भव्य अनावरण 17 सितंबर को बेगमपेट स्थित होटल प्लाजा में एक कर्टन रेज़र कार्यक्रम के दौरान किया गया। भगवान श्री कृष्ण की कालातीत लीलाओं पर आधारित इस दिव्य शो का आयोजन 2 से 4 अक्टूबर 2026 तक हायटेक सिटी स्थित 'शिल्पकला वेदिका' में किया जाएगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में 10,000 से अधिक दर्शकों के जुटने की संभावना है।

इस भव्य शो को हैदराबाद में 'राग रंग रास' द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसकी स्थापना रितु शाह और रोमित शाह ने की है। संस्थापकों ने बताया कि हैदराबाद में इतने बड़े पैमाने का सांस्कृतिक अनुभव लाना उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर 'राग रंग रास' की संस्थापिका रितु शाह ने कहा, ''राजाधिराज एक अनूठा नाट्य अनुभव है जो संगीत, नृत्य और दृश्य कला के माध्यम से भगवान कृष्ण की लीलाओं को जीवंत करता है।

हैदराबाद की जनता कला और संस्कृति का सम्मान करती है, इसलिए हम इस अद्भुत प्रस्तुति को यहां ला रहे हैं।'' वहीं संस्थापक रोमित शाह ने कहा कि देश भर में मिल रहे शानदार प्रतिसाद के बाद हैदराबाद के दर्शकों के लिए श्री कृष्ण की कालातीत यात्रा को नए अंदाज में अनुभव कराने का यह एक बेहतरीन अवसर है।

यह महानाट्य अहमदाबाद, सूरत, बेंगलुरु, चेन्नई, नई दिल्ली और दुबई में अब तक 33 हाउसफुल शो कर चुका है, जिसे 37,000 से अधिक दर्शक देख चुके हैं।

120 से अधिक कलाकारों व तकनीशियनों के दल, 500 से अधिक विशेष परिधानों और 20 मूल गीतों से सजी यह भव्य प्रस्तुति धनराज नाथवाणी द्वारा परिकल्पित है।

पोस्टर विमोचन के इस अवसर पर अमित शाह, मानसी शाह, वेदिका शाह, देवांश शाह, हेषा शाह और आर्यमन शाह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम को एम ईआईएल द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसके सह–प्रायोजक भूरुंडा, एमपीएल और कमल वॉच कंपनी हैं तथा ट्रैवल पार्टनर हॉलीडे बाजार है।

शो के टिकट 'बुक माई शो' पर उपलब्ध हैं।

सेवा का भाव मन से आता है : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वॉटर टैंक पर गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाज में सेवा, सहयोग और संवेदना का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव मन से आता है। जब मन में दूसरों की सहायता करने की भावना जागृत होती है, तो व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए कुछ करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना और उसके जीवन में थोड़ी राहत पहुंचाना भी सच्ची मानव सेवा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता तथा जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए नियमित अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।

लेजेंड वेंकटेश, नारायणगुड़ा, हैदराबाद अपार्टमेंट की निवासी महिलाओं ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर गायत्री लाहोटी, मंजू चोरड़िया, शोभा भराड़िया, अनुराधा, अरुणा अग्रवाल, नेहा पालन, रमा काकुमनी, निर्मला लाहोटी, सुंदर भराड़िया, विभा विजयवर्गी एवं दुर्गा राठी उपस्थित रहीं।

प्रतिभूति मुद्रणालय हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद (सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई) में दिनांक 14.09.2026 से 30.09.2026 तक चलने वाले 'हिंदी पखवाड़ा 2026' का आज दिनांक 16.09.2026 को हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत श्री के. एन. महापात्र, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में 'वंदे मातरम्' गायन, दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस समारोह का मंच संचालन डॉ. कमलेश शर्मा, परामर्शदाता (राजभाषा) द्वारा किया गया।

समारोह के दौरान सर्वप्रथम माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के संदेश का ऑनलाइन प्रसारण किया गया, जिसमें राजभाषा के महत्व और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात एसपीएमसीआईएल के आदरणीय सीएमडी श्री विजय रंजन सिंह जी के संदेश का वाचन किया गया, जिसमें उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सरकारी कामकाज में हिंदी को अपनाने और इसके प्रयोग को अधिक सहज बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अपर महाप्रबंधक (मा.सं.) श्री दुर्गा प्रसाद और महासचिव, एचएसपीपीईयू श्री रविकांत रेड्डी जी ने भी सभा को संबोधित किया और पखवाड़े के दौरान होने वाले कार्यक्रमों में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अपने मुख्य संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने सभी को बधाई देते हुए 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का विशेष उल्लेख किया और कहा कि जिस तरह इस राष्ट्रीय गीत ने पूरे देश को जोड़ा था, वैसे ही हिंदी भाषा भी हम सबको एक साथ जोड़ती है। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों, फाइलों और ई–मेल में हिंदी का इस्तेमाल शुरू करने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी अपील की कि हिंदी का प्रयोग केवल इस पखवाड़े तक सीमित न रहे, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के काम का अभिन्न हिस्सा बने।

अंत में श्री संतोष साव, पर्यवेक्षक (राजभाषा) द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ इस उद्घाटन सत्र का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

श्री मारुति परिवार की ओर से गणेशोत्सव के अवसर पर दुर्गा निकेतन का राजा गणेश पंडाल, दुर्गा निकेतन, मंगलहाट में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं आरती में भाग लिया और श्रद्धा व भक्ति के साथ आनंद लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक थी...

अंतिम फैसला बाद में, उपचुनावों पर तत्काल असर

चुनाव आयोग ने इस पूरे विवाद के अंतिम और ठोस निपटारे के लिए दोनों पक्षों के दस्तावेजों और दावों की जांच की प्रक्रिया शुरू की है। आयोग के सामने मुख्य सवाल पार्टी के संगठनात्मक नियंत्रण, नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न के अधिकार से जुड़ा है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार आयोग ने तत्काल अंतिम फैसला देने के बजाय दोनों पक्षों से अतिरिक्त दस्तावेज मांगे थे और उपचुनावों की नामांकन प्रक्रिया को देखते हुए अंतरिम व्यवस्था पर विचार किया था।

यदि आयोग दोनों पक्षों को मूल पार्टी के नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न के इस्तेमाल से रोकने की अंतरिम व्यवस्था करता है, तो दोनों गुटों को अलग नाम और अधिसूचित स्वतंत्र चुनाव चिह्नों के विकल्प देने पड़ सकते हैं। ऐसी व्यवस्था का उद्देश्य अंतिम विवाद का फैसला होने तक दोनों पक्षों को चुनावी प्रक्रिया में अलग पहचान उपलब्ध कराना होगा। इस तरह की प्रक्रिया चुनाव आयोग पहले भी पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न से जुड़े विवादों में अपना चुका है।

बंडी–रेवंत...

मुद्दों पर दिखाई देने वाली समानता को लेकर भी चर्चाएं हैं। वहीं भाजपा समर्थक पक्ष का तर्क है कि बीआरएस शासन से जुड़े कथित भूमि और भ्रष्टाचार के मामलों को उठाना कांग्रेस के समर्थन के समान नहीं माना जा सकता।

कांग्रेस सरकार से जुड़े कथित घोटालों और लंबे समय से ब्लैकलिस्टेड कंपनियों के मामलों पर भी भाजपा के कुछ विधायक सवाल उठा चुके हैं। इन मुद्दों पर बंडी संजय की प्रतिक्रिया को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं जारी हैं।

बंडी संजय के बेटे बंडी भगीरथ से जुड़े पुराने पोस्को मामले का राजनीतिक संदर्भ में उल्लेख करते हुए भी आरोप लगाए जा रहे हैं। ऐसे संवेदनशील मामले में किसी भी राजनीतिक निष्कर्ष से पहले न्यायिक रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों के आधिकारिक बयानों को आधार बनाना जरूरी है।

अब असली सवाल यही है कि तेलंगाना भाजपा की राजनीतिक रणनीति का केंद्र कांग्रेस सरकार के खिलाफ सीधा संघर्ष होगा या बीआरएस के खिलाफ अभियान ? संजय के आगामी बयानों और पार्टी के अगले राजनीतिक कार्यक्रमों से इस दिशा की तस्वीर और स्पष्ट होने की संभावना है।

'सिलेंडर महिला' ...

इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि महिलाएं दिन–रात अपने घरों में खुद गैस सिलेंडर उठाती और बदलती हैं।अदालत ने इस मामले में नौकरी के बजाय मुआवजा दिए जाने के मुद्दे पर कहा कि याचिकाकर्ता महिला अब सेवानिवृत्ति की उम्र पार कर चुकी हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस पड़ाव पर नौकरी देने के बजाय एकमुश्त 12 लाख रुपये का मुआवजा देना उचित समझा।

बता दें कि सुमित्रा हरियाणा के गुड़हा गांव की रहने वाली हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक भेदभाव के चलते इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में नौकरी से वंचित किए जाने के मामले में 12 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

सुमित्रा उन 49 लोगों में शामिल थीं, जिनकी सिफारिश उपायुक्त की अध्यक्षता वाली एक स्थानीय समिति ने एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में रीफिलिंग हेल्पर या आकस्मिक खलासी के पद के लिए की थी। उन्हें केवल महिला होने के आधार पर नियुक्ति से वंचित कर दिया गया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई और इसे नारीत्व का अपमान बताया।

लंबी कानूनी लड़ाई और महिला के सेवानिवृत्ति की उम्र तक पहुंचने के कारण अदालत ने अब उन्हें नौकरी देने के बजाय 12 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

यूपीआई कस्टमर...

और पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़ों से उनकी तुलना की जाएगी। इसका उद्देश्य यह पता लगाना होगा कि नया शुल्क लागू होने के बाद यूपीआई लेन–देन और उसके उपयोग पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।नए ढांचे के तहत 2,000 रुपये तक के व्यापारी भुगतान और छोटे कारोबारियों के लिए निर्धारित शून्य–एमडीआर व्यवस्था वाले लेन–देन पर शुल्क नहीं लगेगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, करीब 96 प्रतिशत व्यापारी–आधारित यूपीआई लेन–देन इससे प्रभावित नहीं होंगे। व्यक्ति से व्यक्ति होने वाले सभी यूपीआई लेन–देन भी पूरी तरह निशुल्क रहेंगे।

18 प्रतिशत जीएसटी से राहत के उपाय पर भी विचार

जीएसटी के दायरे से बाहर रहने वाले कारोबारियों को यूपीआई शुल्क पर लगने वाले 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर से राहत देने के उपायों पर भी विचार किया जा सकता है। इस मामले को जीएसटी परिषद की बैठक में लाया जा सकता है।

जीएसटी में पंजीकृत कारोबारी एमडीआर पर भुगतान किए गए 18 प्रतिशत जीएसटी का इनपुट टैक्स क्रेडिट ले सकेंगे। हालांकि, ऐसे कारोबारी जो जीएसटी से मुक्त वस्तुओं या सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए इस कर का प्रभाव अलग हो सकता है।

व्यापारी शुल्क ग्राहकों पर नहीं डाल पाएंगे

सरकारी सूत्रों का कहना है कि यूपीआई भुगतान पर शुल्क लागू होने के बाद नकदी से खरीदारी बढ़ने की संभावना नहीं है। सरकार का मानना है कि देश की अपनी मजबूत डिजिटल भुगतान व्यवस्था होनी चाहिए और इसी दिशा में यह कदम उठाया गया है।

एमडीआर के रूप में होने वाले संग्रह का पांच प्रतिशत यूपीआई नेटवर्क को मजबूत करने और छोटे कारोबारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसका उद्देश्य यूपीआई भुगतान की सुविधा को उन लोगों तक भी पहुंचाना है, जो अभी इससे पूरी तरह नहीं जुड़े हैं।

अमेरिका के दबाव के दावे पर सरकार का अलग रुख

सूत्रों के अनुसार, अमेरिका ने भारत से अपने देश की कंपनी के क्रेडिट कार्ड को यूपीआई भुगतान सुविधा से जोड़ने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।अमेरिका में जारी क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भुगतान पर शुल्क लिया जाता है, जबकि भारत के अपने रुपे कार्ड को एमडीआर से मुक्त रखा गया है। इसका उद्देश्य रुपे कार्ड को देश में अधिक से अधिक लोगों के बीच प्रचलित करना बताया गया है।

नए एमडीआर ढांचे के तहत 2,000 रुपये से अधिक के पात्र व्यापारी भुगतान पर सामान्य दर 0.4 प्रतिशत होगी। इस शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये प्रति लेन–देन रखी गई है। 75,000 रुपये के भुगतान पर 300 रुपये की अधिकतम सीमा पूरी हो जाती है और इससे अधिक के लेन–देन पर भी अधिकतम एमडीआर 300 रुपये ही रहेगा।

क्या बदलेगा और क्या रहेगा मुफ्त

व्यक्ति से व्यक्ति होने वाला यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर मुफ्त रहेगा। 2,000 रुपये तक के व्यापारी भुगतान भी मुफ्त रहेंगे। छोटे कारोबारियों के लिए भी शून्य–एमडीआर की व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार के अनुसार, नए शुल्क का दायरा चुनिंदा व्यापारी लेन–देन तक ही सीमित रहेगा।

जन्म–मृत्यु ...

यानी इस अवधि में केवल रजिस्ट्रार के स्तर पर आवेदन देकर पंजीकरण कराना संभव नहीं होगा।

दो साल बाद अदालत की मंजूरी अनिवार्य

यदि जन्म या मृत्यु की सूचना घटना के दो वर्ष से अधिक समय बाद दी जाती है, तो मामले का निपटारा केवल प्रशासनिक स्तर पर नहीं हो सकेगा। नए प्रावधान के अनुसार ऐसे पंजीकरण के लिए उस क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र वाले प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश आवश्यक होगा।

न्यायिक मजिस्ट्रेट जन्म या मृत्यु की घटना की सत्यता का सत्यापन करने के बाद ही पंजीकरण का आदेश दे सकेंगे। निर्धारित शुल्क का भुगतान भी करना होगा।मूल जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13 में देरी से पंजीकरण के लिए पहले से प्रावधान मौजूद थे। पहले एक वर्ष से अधिक समय तक पंजीकरण नहीं होने पर प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होती थी। 2026 के संशोधन ने अब एक वर्ष से अधिक और दो वर्ष तक की देरी के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के स्तर पर अलग व्यवस्था बनाई है, जबकि दो वर्ष से अधिक की देरी के मामलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की व्यवस्था की गई है।

क्यों किया गया कानून में बदलाव?

नए प्रावधानों का उद्देश्य देर से होने वाले जन्म और मृत्यु पंजीकरण की प्रक्रिया में सत्यापन को मजबूत करना और रिकॉर्ड की विश्वसनीयता बढ़ाना है। लंबे समय से लंबित या बहुत देर से किए जाने वाले पंजीकरण में अब संबंधित अधिकारी या न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा घटना की वास्तविकता की जांच आवश्यक होगी।इससे जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। समय पर पंजीकरण कराने से नागरिकों को भविष्य में पहचान, सरकारी सेवाओं और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में दस्तावेज संबंधी परेशानी से भी बचाया जा सकता है।

1 अक्टूबर 2026 से नए प्रावधान लागू होने के बाद जन्म या मृत्यु का पंजीकरण समय पर कराना पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। एक वर्ष से अधिक की देरी होने पर प्रशासनिक अधिकारी के आदेश की जरूरत होगी, जबकि दो वर्ष से अधिक की देरी के मामलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट की मंजूरी लेनी पड़ेगी।

इसलिए जन्म और मृत्यु की घटना होने के बाद निर्धारित समय–सीमा में पंजीकरण कराना सबसे सरल प्रक्रिया रहेगी। देर होने पर अतिरिक्त सत्यापन, शुल्क और संबंधित अधिकारी या अदालत के आदेश की प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 18 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

मास्टर सर्कुलर्स और सतर्कता मैनुअल 2026 पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी लिमिटेड के सतर्कता विभाग ने 17 सितंबर 2026 को हैदराबाद में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा आयोजित मास्टर सर्कुलर्स और सतर्कता मैनुअल 2026 पर दक्षिण क्षेत्र के संगठनों के सतर्कता अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सह-मेजबानी की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री प्रवीण कुमार सिन्हा, पूर्व विशेष निदेशक, सीबीआई द्वारा प्रतिभागियों से वर्चुवल रूप में संबोधित किया गया, जिन्होंने सीवीसी द्वारा जारी मास्टर परिपत्रों के महत्व और सतर्कता मैनुअल के संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संवेदनशील पदों पर तैनात कर्मियों के रोटेशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो एक महत्वपूर्ण निवारक सतर्कता उपाय के रूप में सिद्ध है।

इस अवसर पर सीवीसी के सलाहकार श्री राजीव वर्मा, सीवीसी के निदेशक श्री अजय कुमार वर्मा और ओएसडी, सीवीसी श्री अरविंद कुमार के साथ-साथ सुश्री स्पूर्ति रेड्डी, सीवीओ, मिधानी और बीडीएल; श्री पी. कृष्ण कुमार, सीवीओ, ईसीआईएल; और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, सीवीओ, एनएमडीसी लिमिटेड आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

सीवीसी के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने सतर्कता मैनुअल 2026 के संबंध में बहुत ही सार्थक जानकारी दी है, जिसमें समय समय पर लाए गए प्रमुख परिवर्तनों और सतर्कता प्रशासन के लिए उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने हाल ही में जारी किए गए सीवीसी के मास्टर सर्कुलर्स पर भी विस्तार से बताया, जिसमें उनके महत्वपूर्ण प्रावधान और व्यावहारिक प्रासंगिकता भी शामिल है। कार्यक्रम के पूरे सत्र अत्यधिक संवादात्मक थे, जिसमें विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों व संदेहों का समाधान किया और व्यावहारिक चर्चाओं के माध्यम से मूल्यवान स्पष्टीकरण प्रदान किए ।

इस कार्यक्रम में दक्षिण क्षेत्र के लगभग 75 सतर्कता अधिकारियों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सत्रों ने प्रतिभागियों की अद्यतन सतर्कता ढांचे की समझ को बढ़ाया और सतर्कता प्रथाओं में स्थिरता को बढ़ावा देने और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। सीवीओ, एनएमडीसी ने सतर्कता अधिकारियों के लिए सीवीसी मास्टर परिपत्रों और सतर्कता मैनुअल 2026 के महत्व पर जोर दिया और साथ ही उन्होंने सतर्कता कार्यों में इन परिपत्रों और सतर्कता मैनुअल के प्रावधानों की पूरी समझ और उनके प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला ।सतर्कता के विभागाध्यक्ष ने सभी प्रतिष्ठित वक्ताओं को उनके बहुमूल्य ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए और प्रतिभागियों को उनकी उत्साही भागीदारी, ध्यानपूर्वक सुनने और उनकी सार्थक प्रतिभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया । इनकी प्रतिभागिता ने कार्यक्रम को अत्यधिक संवादात्मक और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह कार्यक्रम पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और प्रभावी सतर्कता प्रशासन को विशेष महत्व देते हुए भाग लेने वाले सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, अद्यतन सतर्कता मैनुअल और मास्टर सर्कुलर्स के विस्तृत प्रसार, क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ । राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के आलापन के साथ कार्यक्रम का समापन संपन्न हुआ।

संस्कारों से मिलता है सेवा का भाव : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव संस्कारों से ही मिलता है। व्यक्ति के जीवन में संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। परिवार से मिलने वाले सेवा, सहयोग और परोपकार के संस्कार ही आगे चलकर समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि जब मन में सेवा की भावना होती है, तो व्यक्ति जरूरतमंद की सहायता करने के लिए स्वयं आगे आता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को विशेष महत्व दिया गया है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और संवेदना से जुड़ा पुण्य कार्य है। सेवा करते समय किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जरूरतमंद की जरूरत को समझकर उसकी सहायता करना ही सच्ची सेवा है।

कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।

ईसीआईएल ने सीएसआर के तहत राजकीय सामान्य अस्पताल कोठागुडेम को 67.41 लाख के चिकित्सा उपकरण सौंपे

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत राजकीय सामान्य अस्पताल , कोठागुडेम को 67.41 लाख रुपये मूल्य के आधुनिक चिकित्सा उपकरण सौंपे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और आम जनता के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल की पहुंच में सुधार करना है। चिकित्सा उपकरणों को औपचारिक रूप से कोठागुडेम के जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट श्री अंकित (आईएएस), ईसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) श्री कन्नन वी. ए. एस. और जीजीएच कोठागुडेम के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राधा मोहन की गरिमामयी उपस्थिति में अस्पताल को सौंपा गया।

इस अवसर पर ईसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) श्री कन्नन वी. ए. एस. ने कहा कि चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने की यह पहल लोगों को समय पर आपातकालीन सेवाएं प्राप्त करने में मदद करेगी, जिससे कीमती जानें बचाई जा सकेंगी। उन्होंने दो-हराया कि ईसीआईएल अपने सीएसआर पहलों के माध्यम से समाज के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है और समुदाय के कल्याण के लिए ऐसे प्रयास जारी रखेगा।

कोठागुडेम के जिला कलेक्टर श्री अंकित (आईएएस) ने राजकीय सामान्य अस्पताल को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए ईसीआईएल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सार्वजनिक कल्याण के प्रति ईसीआईएल की प्रतिबद्धता की सराहना की और जिले के सर्वांगीण विकास के लिए और अधिक सीएसआर पहल करने का अनुरोध किया।

समारोह के दौरान ईसीआईएल के डॉ. पी. वेणु बाबू (मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी-सीएसआर), श्री सुनील कुमार जे., श्री अनिल कुमार, श्री पूर्णचंदर पी. (अध्यक्ष, ईसीओए) और श्री सांबमूर्ति भी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज (पंजीकृत संस्था) की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष भगवान व्यास की अध्यक्षता में श्रृंगी ऋषि भवन में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ श्रृंगी ऋषि की वंदना के साथ हुआ।

महामंत्री श्यामसुंदर तिवारी ने बताया कि संस्था द्वारा विगत 29 वर्षों से गणेश विसर्जन के अवसर पर आने वाले भक्तों के लिए प्रसाद एवं जल की व्यवस्था लाल बहादुर स्टेडियम, बशीरबाग में भव्य पंडाल लगाकर की जाती रही है। इस वर्ष 30वें वर्ष के उपलक्ष्य में प्रसाद एवं जल वितरण कार्यक्रम 24 सितंबर 2026, गुरुवार रात 9 बजे से 25 सितंबर 2026, शुक्रवार मध्यरात्रि तक अनवरत जारी रहेगा। बैठक में इस आयोजन को लेकर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में संस्था के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वर्तमान में संस्था के 65 सदस्यों की संख्या को एक माह के भीतर बढ़ाकर 100 करने और इसके बाद नई कार्यकारिणी का चुनाव कराने का निर्णय लिया गया।

इसके साथ ही यह निर्णय लिया गया कि एक व्यक्ति अध्यक्ष पद पर दो बार नहीं रह सकेगा। वहीं, मंत्री मंडल के कार्यकाल को तीन वर्ष से घटाकर दो वर्ष करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में अध्यक्ष भगवान व्यास, उपाध्यक्ष रामदेव नागला एवं जगदीश तिवारी, मंत्री श्यामसुंदर तिवारी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, उपमंत्री नरसिंह जोशी, संपत व्यास, कार्यकारिणी सदस्य रामदेव उपाध्याय, गजानंद तिवारी, रामदेव तिवारी, भगवान तिवारी, घनश्याम व्यास, दीपक, संदीप जायलवाल, लालचंद जोशी, राजेश उपाध्याय, शाम ओझा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अंत में मंत्री श्यामसुंदर तिवारी ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही बैठक का समापन हुआ।

79वें हैदराबाद मुक्ति दिवस पर वीरुला सैनिक स्मारक में उपराष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): 79वें हैदराबाद मुक्ति दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान सिकंदराबाद स्थित परेड ग्राउंड्स में 'वीरुला सैनिक स्मारक' (वीर सैनिक स्मारक) पर पुष्पांजलि अर्पित कर अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।इस गरिमामयी कार्यक्रम में देश और प्रदेश के कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से:श्री शिव प्रताप शुक्ल (राज्यपाल, तेलंगाना),श्री गजेंद्र सिंह शेखावत (केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री),श्री जी. किशन रेड्डी (केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री),श्री बंडी संजय कुमार (केंद्रीय गृह राज्य मंत्री)। इस अवसर पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तथा सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक डॉ. योगेश राज श्रीवास्तव भी पूर्व सैनिकों के साथ उपस्थित रहे और शहीदों को नमन किया। पुष्पांजलि के पश्चात स्मारक के निकट गणमान्य अतिथियों एवं पूर्व सैनिकों का एक स्मृति चित्र भी लिया गया।

मानव सेवा ही माधव सेवा : सुशील गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास गुरुवार को नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को अन्न सेवा प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर सुशील गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा के संकल्प को लेकर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा कार्यों में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति की आवश्यकता के समय उसके साथ खड़ा होना और उसे भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। सेवा कार्य में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद को समान भाव से सहयोग मिलना चाहिए।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों के पीछे निस्वार्थ सेवा की भावना है। अन्न सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ ही समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग का संदेश भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सेवा कार्य बिना किसी दिखावे और स्वार्थ के किया जाता है, तो वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्य सेवा को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं मानते, बल्कि इसे निरंतर चलने वाला सामाजिक दायित्व मानकर कार्य कर रहे हैं। नियमित सेवा कार्यक्रमों में सदस्यों की सहभागिता यह संदेश देती है कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया तथा जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

एमबीआई ग्रेटर हैदराबाद ने हर्षोल्लास से मनाई गणेश चतुर्थी

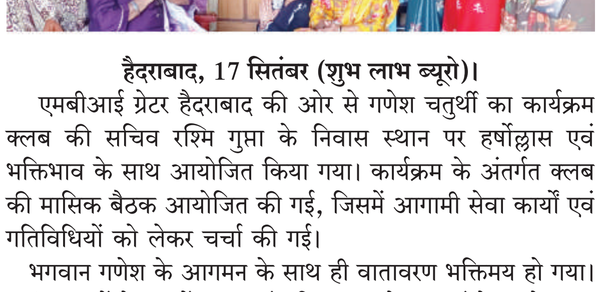

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एमबीआई ग्रेटर हैदराबाद की ओर से गणेश चतुर्थी का कार्यक्रम क्लब की सचिव रश्मि गुप्ता के निवास स्थान पर हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत क्लब की मासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी सेवा कार्यों एवं गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई।

भगवान गणेश के आगमन के साथ ही वातावरण भक्तिमय हो गया। सभी सदस्यों ने भजनों का आनंद लिया। इसके बाद तंबोला खेल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का समापन भगवान गणेश की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष दिव्या गुप्ता, कोषाध्यक्ष कविता गुप्ता तथा कार्यकारिणी सदस्य पूजा गुप्ता, भारती गुप्ता, रेनू गुप्ता, आरती गुप्ता, प्राची गुप्ता, शालिनी गुप्ता, अंजली गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर गांधी भवन में सुबह 10.30 बजे ध्वजारोहण किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष टी. कुमार राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर सांसद मल्लू रवि, सेवादल अध्यक्ष जितेंद्र, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एन.के. सिंह सहित कांग्रेस के अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर लोअर धूलपेट में झंडा वंदन करते हुए पूर्व पार्षद लाल सिंह। साथ में हैं जयपाल सिंह, कैलाश सिंह, संजीवराज सिंह, के. लालसिंह, एम. अशोक सिंह, एम. किशन, प्रदीप सिंह एवं अन्य।

कीसरा थाने में 5 लाख की कथित रिश्वत का ट्रैप

बेल के नाम पर 10 लाख की मांग का आरोप, 5 लाख लेते एसआई - सीआई एसीबी के जाल में फंसे !

हैदराबाद, 17 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है, लेकिन कानून की रक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली खाकी पर ही रिश्वतखोरी के आरोप लगना गंभीर सवाल खड़े करता है। कीसरा थाना क्षेत्र में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए सब-इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र रेड्डी को 5 लाख की कथित रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक आरोपी को स्टेशन बेल दिलाने के मामले में कीसरा थाना इंस्पेक्टर ए. अंजनेयुलु और एसआई ज्ञानेंद्र रेड्डी द्वारा शिकायतकर्ता से कथित तौर पर रिश्वत की मांग की गई थी। आरोप है कि पहले 10 लाख की मांग की गई और बाद में 5 लाख में सौदा तय हुआ। तय रकम एसआई ज्ञानेंद्र रेड्डी को दिए जाने की बात सामने आई।

शिकायत के आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया। बताया गया कि गणेश विसर्जन ड्यूटी के दौरान कीसरा झील के पास एसआई ज्ञानेंद्र रेड्डी ने कार में कथित तौर पर 5 लाख की रिश्वत राशि स्वीकार की। इसी दौरान एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया। सूत्रों के अनुसार, एसीबी अधिकारियों को देखकर एसआई ने कथित तौर पर मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से पुलिस अधिकारियों द्वारा उससे बिरयानी और कूल ड्रिंक्स की मांग की जा रही थी। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और मामले की जांच जारी है।

ट्रैप के बाद एसीबी की टीमों ने कीसरा पुलिस स्टेशन के साथ संबंधित अधिकारियों के आवासों पर भी तलाशी ली। कार्रवाई एसीबी डीएसपी मजीद अली खान की निगरानी में किए जाने की जानकारी है।

खाकी पर लगे इन आरोपों के बीच एसीबी की कार्रवाई ने पुलिस विभाग में हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, रिश्वत की मांग, रकम के लेन-देन और अन्य आरोपों से जुड़े अंतिम तथ्य जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे। मामले में आगे की कार्रवाई और जांच जारी है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की विभिन्न समितियों के चेयरमैन मनोनीत

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल द्वारा समाज की विभिन्न समितियों के चेयरमैन एवं संयोजकों का मनोनयन किया गया है। समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दंपति सम्मेलन समिति के चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले) तथा संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल को मनोनीत किया गया है। प्रतिमाह राशन किट वितरण एवं एकल नारी पेंशन योजना समिति के चेयरमैन चिमन लाल सुरेश कुमार अग्रवाल को बनाया गया है। दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद समिति के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल तथा समाज की सदस्यता अभियान समिति के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल को मनोनीत किया गया है।

सदस्यता अभियान को गति देने पर जोर

सदस्यता अभियान समिति के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि उनकी एवं उनकी टीम का प्रयास रहेगा कि सभी अग्रबंधु समाज की सदस्यता ग्रहण कर समाज से जुड़ें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अग्रवाल समाज द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें इंडक्शन चूल्हा वितरण, एकल नारी पेंशन, विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता, श्री जगन्नाथपुरी धाम की धार्मिक यात्रा, श्रीशैलम तीर्थ की धार्मिक यात्रा तथा राशन किट वितरण शामिल हैं।उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजनाओं के लाभार्थी अपने परिवार के सभी सदस्यों को समाज का सदस्य बनाकर उनके नाम से प्रिविलेज कार्ड बनवाएं। जिन परिवारों के सभी सदस्य समाज के सदस्य होंगे, उन्हें आगामी योजनाओं में लाभ दिया जाएगा।

नवरात्रि में नौ दिन डांडिया कार्यक्रम

आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि नवरात्रि के अवसर पर 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम क्लासिक-3 कन्वेंशन, शमशाबाद में आयोजित किया जाएगा। इसमें सिनेमा जगत के कई विख्यात कलाकारों के भाग लेने की संभावना है। इसके अलावा अहमदाबाद एवं सूरत के डांडिया और गरबा कलाकार भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

1 अक्टूबर को दंपति सम्मेलन

दंपति सम्मेलन का आयोजन 1 अक्टूबर को होटल ताज कृष्ण, बंजारा हिल्स में किया जाएगा। सम्मेलन के चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले) तथा संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल रहेंगे।

महाराजा अग्रसेनजी की जयंती का आयोजन 11 अक्टूबर को क्लासिक-3 कन्वेंशन में किया जाएगा। वहीं, दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम 15 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल हैं।समाज की ओर से बताया गया कि उपरोक्त सभी कार्यक्रमों एवं योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित चेयरमैन एवं संयोजकों से संपर्क किया जा सकता है।

चेवेल्ला के सरकारी खजाना कार्यालय में रिश्वत का जाल, एसीबी विभाग ने रंगे-हाथ दबोचा

2.50 लाख रुपये की कथित रिश्वत मांगने का आरोप

1 लाख रुपये की पहली किश्त लेते एसीबी की कार्रवाई

दो अधिकारी और एक निजी व्यक्ति एसीबी के शिकंजे में

वेतन-पेंशन से जुड़े लाखों रुपये के भुगतान का मामला

चेवेल्ला, 17 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला स्थित सरकारी खजाना कार्यालय (डिविजनल सब-ट्रेजरी) में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई से सरकारी कार्यालयों में कथित रिश्वतखोरी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार को एसीबी रंगारेड्डी रेंज यूनिट ने कार्रवाई करते हुए सब-ट्रेजरी अधिकारी मदिगा लक्ष्मैया, सहायक ट्रेजरी अधिकारी कवाली अनुराधा और निजी व्यक्ति वड्डे जंगैया उर्फ चिन्ना को रिश्वत के मामले में आरोपी बनाया।

एसीबी के प्रेस नोट के अनुसार, शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 2.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। पहली किश्त के रूप में 1 लाख रुपये स्वीकार किए जाने के दौरान एसीबी ने कार्रवाई की। आरोप है कि सब-ट्रेजरी अधिकारी लक्ष्मैया ने अपने हिस्से के 50 हजार रुपये स्वीकार किए, जबकि सहायक ट्रेजरी अधिकारी अनुराधा के निर्देश पर निजी व्यक्ति जंगैया ने कथित तौर पर 50 हजार रुपये लिए।

मामला महज कुछ हजार रुपये के भुगतान का नहीं, बल्कि लाखों रुपये से जुड़े सरकारी वित्तीय कार्य का बताया गया है। एसीबी के मुताबिक, शिकायतकर्ता के निलंबन अवधि के 23,25,390 रुपये के वेतन बिलों को प्रोसेस कर आगे भेजने तथा सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन समायोजन के 4,29,000 रुपये के बकाया भुगतान से संबंधित सरकारी कार्य करने के बदले कथित रूप से 2.50 लाख रुपये की मांग की गई थी।

एसीबी के अनुसार, कार्रवाई के दौरान 1 लाख रुपये की कथित रिश्वत राशि एओ-1 और ए-3 के कब्जे से उनकी निशानदेही पर बरामद की गई। कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को एसपीई एवं एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश, नामपल्ली के समक्ष न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

चेवेल्ला में सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर समय-समय पर स्थानीय स्तर पर सवाल और शिकायतें उठती रही हैं। ताजा एसीबी कार्रवाई ने उन चर्चाओं को फिर हवा दी है। हालांकि, उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर पूरे चेवेल्ला को रिश्वतखोरी का अड्डा कहना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा। लेकिन एक के बाद एक सामने आने वाले भ्रष्टाचार संबंधी मामलों से यह सवाल जरूर उठता है कि सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

खास बात यह है कि जिस मामले में एसीबी ने कार्रवाई की, उसमें सरकारी कर्मचारी के वेतन और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले पेंशन बकाया जैसे अधिकारों से जुड़े भुगतान शामिल बताए गए हैं। ऐसे मामलों में यदि किसी नागरिक को अपने वैध भुगतान के लिए कथित रूप से रिश्वत देने की स्थिति का सामना करना पड़े, तो यह केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं रह जाता, बल्कि सरकारी सेवा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।

एसीबी की कार्रवाई के बाद अब जांच में यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण होगा कि कथित रिश्वत की मांग किस स्तर पर हुई, इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी और सरकारी भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई या नहीं। जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

एसीबी ने सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप जांच के अधीन हैं और अंतिम दोष सिद्धि सक्षम न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगी।

शिल्पारामम में 19 से मेगा हस्तशिल्प प्रदर्शनी

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पूम्पुहार) के सहायक प्रबंधक (बिक्री) सी. गोपीकन्नन ने बताया कि 19 से 23 सितंबर तक शिल्पारामम में 'मेगा हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो' आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शनी में तमिलनाडु के विभिन्न जिलों के कारीगरों द्वारा तैयार पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 सितंबर को तमिलनाडु सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री पी. मदन राजा करेंगे। यहां कांस्य एवं पीतल की मूर्तियां, तंजावुर चित्रकला, लकड़ी एवं पत्थर की कलाकृतियां, मिट्टी व टेराकोटा उत्पाद, बेंत एवं जूट के सामान, ताड़ एवं केले के पत्तों से बने उत्पाद, फैशन आभूषण, अगरबत्ती, मसाले तथा हथकरघा उत्पाद प्रमुख आकर्षण होंगे।

सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुड़ा का शताब्दी समारोह कल से

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आस्था, सेवा और भाईचारे की एक सदी पूरी करने वाला ऐतिहासिक सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुड़ा 19 और 20 सितंबर को विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ अपनी शताब्दी मनाएगा। वर्ष 1926 में स्थापित यह गुरुद्वारा पिछले 100 वर्षों से हैदराबाद के सामाजिक एवं आध्यात्मिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एस. त्रिलोक सिंह ने बताया कि 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक नामपल्ली रोड स्थित एग्जिबिशन ग्राउंड्स में विशाल दीवान आयोजित होगा। इसमें दिल्ली के भाई जगजीत सिंह बबिहा, लुधियाना के भाई बलप्रीत सिंह, भाई जगप्रीत सिंह खन्नेवाले और भाई रविंदर सिंह सहित रागी जत्थे एवं प्रचारक शबद-कीर्तन प्रस्तुत करेंगे।

समारोह में तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के जत्थेदार संत बाबा कुलवंत सिंह जी, संत बाबा बलविंदर सिंह जी हजूर साहिब वाले, गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी, नांदेड़ के जत्थेदार बाबा तेजा सिंह जी सहित प्रमुख सिख धर्मगुरुओं के शामिल होने की उम्मीद है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, सुरिंदरपाल सिंह सलूजा सहित अन्य प्रमुख हस्तियां भी भाग लेंगी।

19 सितंबर को सुबह 9 बजे गुरुद्वारा साहिब में अमृत संचार तथा रात 8 बजे से 11.30 बजे तक विशेष कीर्तन दरबार आयोजित होगा। सभी कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं के लिए गुरु का लंगर उपलब्ध रहेगा। समिति ने बताया कि शताब्दी समारोह गुरुद्वारे की आध्यात्मिक विरासत, सामुदायिक सेवा और भाईचारे की एक सदी को समर्पित है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर 'मोदी वाणी' का लोकार्पण

हैदराबाद, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर त्रिभाषी ग्रंथ 'मोदी वाणी - सेवा संकल्प विकसित भारत' का लोकार्पण किया गया। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने संयुक्त रूप से गुरुवार सुबह नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में ग्रंथ का लोकार्पण किया। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने इस ग्रंथ को तैयार किया है।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के बारह वर्षों के कार्यकाल के दौरान देश-विदेश में दिए गए भाषणों का व्यापक अध्ययन कर उनके प्रमुख विचारों, वक्तव्यों और उद्धरणों को इस ग्रंथ में संकलित किया गया है। पुस्तक में मोदी के विचारों, शासन-दृष्टि और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को समग्र रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इसे उनके 76वें जन्मदिन के अवसर पर विशेष भेंट के रूप में प्रकाशित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों से चुने गए प्रामाणिक उद्धरणों का त्रिभाषी संकलन।

प्रत्येक उद्धरण को सर्वप्रथम मोदी द्वारा कहे गए मूल हिंदी स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके बाद उसका सहज एवं भावपूर्ण तेलुगु तथा अंग्रेजी रूप दिया गया है।

'उद्धरणों का चयन प्रधानमंत्री के आधिकारिक भाषणों और विश्वसनीय प्रमाणिक स्रोतों के गहन अध्ययन के आधार पर किया गया है।'प्रत्येक उद्धरण के साथ उसका संदर्भ, भाषण की पृष्ठभूमि और मूल स्रोत का विवरण दिया गया है।

'सेवा, संकल्प, सुशासन, अंत्योदय, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तीकरण, युवा शक्ति, किसान कल्याण, आत्मनिर्भर भारत, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण तथा विश्व मंच पर भारत के नेतृत्व जैसे व्यापक विषयों को पुस्तक में स्थान दिया गया है।

मोदी के संदेशों, शासन-दर्शन और राष्ट्र के भविष्य के प्रति उनकी दृष्टि को तीन भाषाओं के पाठकों तक पहुंचाने का यह प्रयास किया गया है।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य मल्का कोमुरैया, भाजपा के राष्ट्रीय नेता पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, प्रदेश उपाध्यक्ष शांतकुमार, जयश्री, कल्याण नायक, प्रदेश महामंत्री डॉ. एन. गौतम राव, डॉ. वेमुला अशोक, टी. वीरेन्द्र गौड़, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गणेश, वरिष्ठ नेता श्रीनी रेड्डी, गोपाल, सुभाष चंद्र, रानी रुद्रमा और पद्म सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों, पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पूर्व विधायकों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

त्रिशूल और डमरू के साथ, गणपति बाप्पा की शरण में भाजपा नेता सपना गुप्ता।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से पूर्व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, भाजपा राज्य सचिव तथा अलाई बलाई फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती बंडारु विजयलक्ष्मी ने बेगमपेट में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला भी शामिल हुए।इस अवसर पर सी.पी. राधाकृष्णन के साथ बंडारु दत्तात्रेय ने विभिन्न विषयों पर आत्मीय रूप से चर्चा की।

फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट में धूमधाम से मनाया गया तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सवम

फ्यूचर सिटी/इब्राहिमपटनम। , 17 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय, इब्राहिमपटनम में गुरुवार को 'तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सवम' का आयोजन पूरी गरिमा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित औपचारिक समारोह में कमिश्नरेट के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान फ्यूचर सिटी के पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी (आईपीएस) ने ध्वजारोहण किया।

इसके पश्चात पुलिस टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गॉर्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करते हुए उन्होंने परेड का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर फ्यूचर सिटी की संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती जी. चंदना दीप्ति (आईपीएस) और महेश्वरम ज़ोन के पुलिस उपायुक्त श्री के. नारायण रेड्डी (आईपीएस) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में कमिश्नरेट के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी सहभागिता की।

यह आयोजन अनुशासित पुलिसिंग, जनसेवा और उत्कृष्ट संस्थागत मूल्यों के प्रति फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संपूर्ण कार्यक्रम देशभक्ति और सेवा भावना के माहौल में संपन्न हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.